संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 33
पृष्ठ 8
रविवार
19 अक्टूबर 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- सांस्कृतिक एकता का पर्व है दीपावली...

विचार- दिवाली: प्रकाश, प्रेम और समृद्धि...

खेल- ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रोहित-कोहली...

राजनाथ सिंह बोले-

पाकिस्तान का हर इंच ब्रह्मोस की रेंज में... ऑपरेशन सिंदूर तो बस ट्रेलर था

लखनऊ,संवाददाता। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ स्थित ब्रह्मोस एयरोस्पेस इकाई से तैयार की गई ब्रह्मोस मिसाइलों की पहली खेप को शनिवार को हरी झंडी दिखाई। यह दिन न सिर्फ उत्तर प्रदेश डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर (यूपीडीआईसी) के लिए मील का पत्थर साबित होगा। बल्कि भारत के रक्षा उत्पादों में आत्मनिर्भरता के संकल्प को भी नई ऊर्जा भी देगा। विश्व की सबसे तेज और घातक सटीक प्रहार क्षमता वाली ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाइल प्रणाली की निर्माता ब्रह्मोस एयरोस्पेस ने लखनऊ की नई इंटीग्रेशन एंड टेस्ट सुविधा से मिसाइल की पहली खेप तैयार कर ली है। यह अत्याधुनिक इकाई 11 मई को उद्घाटन के बाद पूरी तरह संचालन में आई थी। वहीं, इस दौरान रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, आज का दिन उत्तर प्रदेश की जनता के लिए महत्वपूर्ण दिन है। लखनऊ डिफेंस सेक्टर में अहम भूमिका निभा रहा है। मैंने पांच महीने पहले ब्रह्मोस यूनिट का उदघाटन किया था। आज उसकी पहली खेप रवाना कर दी गई। यह आम बात नहीं है। ऑपरेशन सिंदूर ने साबित कर दिया है कि जीत अब हमारी आदत बन चुकी है। राजनाथ सिंह ने कहा, दुनिया ने भारत की ताकत को माना है। देश को ये विश्वास है कि अब हम बहुत मजबूत हो चुके हैं। मैं बता दूं कि जब भारत पाकिस्तान को जन्म दे सकता है, अब आगे आप लोग समझदार हैं। पाकिस्तान का हर इंच ब्रह्मोस की रेंज में है। ऑपरेशन सिंदूर तो बस ट्रेलर था।

ब्रह्मोस तीनों सेनाओं की रीढ़ है। यह यूनिट देश की बढ़ती ताकत की पहचान है। देश के किसी भी हिस्से में ब्रह्मोस की चर्चा करते हैं, तो उनमें में विश्वास दिखता है। छोटे बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक इसकी तारीफ करते नहीं थकते। ये विश्वास ही हमारी ताकत है। कार्यक्रम के दौरान रक्षा मंत्री और मुख्यमंत्री बूस्टर डॉकिंग प्रक्रिया देखी। इसी क्रम में ब्रह्मोस सिम्युलेटर उपकरणों का प्रस्तुतीकरण भी होगा। इसके अलावा पौधरोपण कार्यक्रम पहुंचे। कार्यक्रम के दौरान, महानिदेशक (ब्रह्मोस) डॉ. जयतीर्थ आर जोशी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को एक चेक और जीएसटी बिल सौंपा, जिससे राज्य सरकार को राजस्व प्राप्त होगा। ब्रह्मोस मिसाइलों के उत्पादन से उत्तर प्रदेश में उच्च कौशल वाले युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित होंगे। लखनऊ ब्रह्मोस इकाई उत्तर प्रदेश रक्षा गलियारे का पहला ऐसा प्रतिष्ठान है, जहां मिसाइल प्रणाली के निर्माण से लेकर अंतिम परीक्षण तक की पूरी प्रक्रिया देश में ही की जाती है। यह परियोजना न सिर्फ रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है।

मुख्यमंत्री योगी बोले-

जहां भी डिफेंस लैंड की जरूरत पड़ेगी वहां यूपी दिल खोलकर जमीन देगा

लखनऊ,संवाददाता। लखनऊ स्थित ब्रह्मोस एयरोस्पेस इकाई से तैयार की गई ब्रह्मोस मिसाइलों की पहली खेप को शनिवार को हरी झंडी दिखाई गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा, ये हमारे लिए खुशी का क्षण है। मेरे लिए खासतौर से। क्योंकि ये स्वदेशी तकनीक पर आधारित मिसाइल है। हमको प्रधानमंत्री के मेक इन इंडिया के संकल्प को पूरा करने और रक्षा मंत्री की उपस्थिति में स्वदेशी तकनीक पर आधारित ब्रह्मोस मिसाइल के पहले बैच को हरी झंडी दिखाने का मौका मिला। यह मिसाइल भारत की रक्षा आवश्यकताओं में आत्मनिर्भरता का प्रतीक है।

इसका अर्थ है कि ब्रह्मोस जैसी मिसाइलों के माध्यम से, भारत अब न केवल अपनी सुरक्षा जरूरतों को पूरा करने में सक्षम है, बल्कि दुनिया भर के अपने मित्र देशों की सुरक्षा को भी पूरा करने में सक्षम है। जहां भी डिफेंस लैंड को जरूरत पड़ेगी, वहां यूपी दिल खोलकर जमीन देगा। यही धरती माता चाहती हैं। जमीन का सदुपयोग होना चाहिए। मैंने डीआरडीओ को कहा है कि आपको जितनी भी जमीन चाहिए, यूपी में मिलेगी। हमारी कैबिनेट ने फ्री में जमीन मुहैया कराने का फैसला किया था। अब देखिए यूपी की धरती सोना बन रही है।

कार्यक्रम में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, आज का दिन उत्तर प्रदेश की जनता के लिए महत्वपूर्ण दिन है। लखनऊ डिफेंस सेक्टर में अहम भूमिका निभा रहा है। मैंने पांच महीने पहले ब्रह्मोस यूनिट का उदघाटन किया था। आज उसकी पहली खेप रवाना कर दी गई। यह आम बात नहीं है। ऑपरेशन सिंदूर ने साबित कर दिया है कि जीत अब हमारी आदत बन चुकी है।

दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण पर बड़ा फैसला

एक नवंबर से दिल्ली में बंद होंगी प्रदूषण फैलाने वाली ये गाड़ियां

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण को रोकने के लिए सरकार ने एक अहम कदम उठाया है। 1 नवंबर से राजधानी में प्रदूषण फैलाने वाले व्यावसायिक वाहनों (कमर्शियल व्हीकल्स) का प्रवेश पूरी तरह से बंद रहेगा। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने शुक्रवार को यह फैसला लिया और आदेश दिया कि सभी बॉर्डर पॉइंट्स पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी ताकि कोई गाड़ी नियम तोड़कर न घुसे। सीएक्यूएम की 25वीं बैठक में यह तय किया गया कि अब दिल्ली में सिर्फ BS-VI, CNG, LNG या इलेक्ट्रिक गाड़ियां ही माल ढोने के लिए प्रवेश कर पाएंगी। हालांकि, दिल्ली में रजिस्टर्ड BS-IV श्रेणी की हल्की, मझोली और भारी गाड़ियां को थोड़ी राहत दी गई है। उन्हें 31 अक्तूबर 2026 तक अस्थायी रूप से चलने की अनुमति दी जाएगी।

सीएक्यूएम ने बताया कि पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश (एनसीआर क्षेत्र) और राजस्थान के जिलों के अधिकारियों को अब सीधा अधिकार दिया गया है कि अगर कोई अधिकारी पराली जलाने पर कार्रवाई नहीं करता, तो उसके खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। इसका मकसद है कि खेतों में पराली जलाने की घटनाओं पर तुरंत रोक लगाई जा सके। सीएक्यूएम ने यह भी कहा कि 10 साल पुरानी डीजल और 15 साल पुरानी पेट्रोल गाड़ियों को हटाने वाले अपने पुराने आदेश को फिलहाल स्थगित रखा जाएगा। ऐसा सुप्रीम कोर्ट के उस निर्देश के बाद किया गया है जिसमें अदालत ने इन गाड़ियों के मालिकों पर जबरदस्ती कार्रवाई रोकने के आदेश दिए हैं। बैठक में आयोग ने दिल्ली और एनसीआर राज्यों के विंटर एक्शन प्लान की भी समीक्षा की। पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश सरकारों को आदेश दिया गया है कि वे फसलों के अवशेष के प्रबंधन को और सख्ती से लागू करें और निगरानी बढ़ाएं ताकि प्रदूषण पर नियंत्रण रखा जा सके।

सीएक्यूएम ने सुप्रीम कोर्ट के हालिया आदेश का जिक्र करते हुए कहा कि ग्रीन पटाखों की बिक्री केवल 18 से 20 अक्तूबर तक ही एनसीआर के चुने हुए स्थानों पर हो सकेगी।

सीएम स्टालिन ने केंद्र पर लगाए कई आरोप पूछा-

राज्यपालों के जरिए अराजकता क्यों फैलाई जा रही है?

चेन्नई,एजेंसी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने शनिवार को केंद्र की भाजपा सरकार पर राज्य के साथ गहरा पक्षपात करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि न केवल राज्य के वित्त मंत्री थंगम थेनारासु ने वित्तीय भेदभाव की ओर इशारा किया है, बल्कि लोगों के दिलों में भी कई सवाल उठ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, मैं भी कुछ सवाल पूछना चाहता हूं। जो लोग भ्रष्टाचार के मामलों में फंसे हैं, वे भाजपा गठबंधन में शामिल होते ही कैसे साफ हो जाते हैं? यह कैसी वॉशिंग मशीन है? उन्होंने एक बार फिर अपने वॉशिंग मशीन वाले तंज को दोहराया। सीएम स्टालिन ने यह भी पूछा कि देश की योजनाओं और कानूनों के नाम केवल हिंदी और संस्कृत में ही क्यों रखे जाते हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, केंद्रीय मंत्री हमारे बच्चों को अंधविश्वास क्यों सिखा रहे हैं? विपक्षी दलों के शासन वाले राज्यों में राज्यपालों के जरिए अराजकता क्यों फैलाई जा रही है?

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा वोट पाने के लिए धांधली की रणनीति अपना रही है और एसआईआर मॉडल के जरिए चुनाव में गड़बड़ी कर रही है। साथ ही उन्होंने सवाल उठाया कि केंद्र सरकार कीझाड़ी पुरातात्विक स्थल की वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित रिपोर्ट को स्वीकार क्यों नहीं कर रही। स्टालिन ने कहा, श्क्या आप फिर से व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी से झूठा प्रचार शुरू करेंगे?

इससे पहले, 17 अक्तूबर को विधानसभा में राज्य की वित्तीय स्थिति पर बोलते हुए वित्त मंत्री थंगम थेनारासु ने केंद्र से 10 सवाल पूछे और वित्तीय भेदभाव का आरोप लगाया। जिसमें ये आरोप शामिल हैं– 1) सहकारी संघवाद के नाम पर जीएसटी सुधार के बावजूद राज्यों को उचित हिस्सा नहीं। 2) राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) और हिंदी थोपकर तमिलनाडु के बच्चों की शिक्षा को नुकसान। 3) सड़कों की योजनाओं में तमिलनाडु को शामिल न करना। 4) दक्षिण रेलवे को नई परियोजनाओं के लिए फंड में भेदभाव। 5) मदुरै और कोयंबटूर मेट्रो रेल परियोजनाओं को मंजूरी में देरी। 6) जल जीवन मिशन योजना के तहत तमिलनाडु को मिलने वाले ध्3709 करोड़ की राशि जारी न करना। 7) जनसंख्या में 6प्रतिशत हिस्सेदारी के बावजूद वित्तीय वितरण में केवल 4प्रतिशत हिस्सा देना। वित्त मंत्री ने कहा कि केंद्र सहकारी संघवाद का केवल नारा लगाता है, लेकिन व्यवहार में तमिलनाडु के साथ भेदभाव किया जा रहा है। मुख्यमंत्री स्टालिन ने इन सवालों को आगे बढ़ाते हुए कहा कि तमिलनाडु के लोग इस दोहरे रवैये को देख रहे हैं और जवाब मांग रहे हैं। उन्होंने यह भी साफ किया कि राज्य इन मुद्दों पर चुप नहीं बैठेगा और केंद्र से जवाब की मांग जारी रखेगा।

सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी

हवाईअड्डों पर अधिकारियों को मौजूदा कानूनों के प्रति संवेदनशील बनाने की जरूरत

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों पर काम करने वाली क्षेत्रीय एजेंसियों के लिए यह बेहद जरूरी है कि वे अपने अधिकारियों को मौजूदा कानूनों के बारे में पहले से ही संवेदनशील बनाएं, खासकर तब जब वे किसी अंतरराष्ट्रीय यात्री को हिरासत में लेने या गिरफ्तार करने जैसा गंभीर कदम उठाने जा रहे हों। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने यह टिप्पणी उस समय की, जब उन्होंने प्रवासी भारतीय (एनआरआई) रॉकी अब्राहम की गिरफ्तारी और उनके खिलाफ शुरू की गई आपराधिक कार्यवाही को रद्द कर दिया। अब्राहम पिछले बीस वर्षों से इटली में बसे भारतीय नागरिक हैं। जनवरी 2025 में अब्राहम को दिल्ली हवाई अड्डे पर हिरासत में लिया गया था। उस पर आरोप था कि वह अपने सामान में हिरण की सींग लेकर जा रहे थे, जो कि वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के तहत प्रतिबंधित है। हवाई अड्डे के अधिकारियों ने बैग से सींग बरामद होने के बाद उसके खिलाफ इस अधिनियम की धारा 39, 49 और 51 के तहत प्राथमिकी दर्ज की थी और उसे गिरफ्तार कर लिया था। अब्राहम करीब दो हफ्ते तक हिरासत में रहे। इसके बाद उन्हें कड़ी शर्तों के साथ जमानत मिली, जिसमें भारत छोड़ने पर प्रतिबंध भी शामिल था। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि डीएनए जांच के अनुसार जो वस्तु उसके पास मिली, वह वास्तव में रेंडियर (हिरण परिवार का सदस्य) की सींग थी, जो भारत के वन या वन्यजीव कानूनों का उल्लंघन नहीं करती। शीर्ष कोर्ट ने कहा, यह कोर्ट महसूस करता है कि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों से जुड़े मामलों को देखने वाली एजेंसियों को अपने अधिकारियों को मौजूदा कानूनों की सही जानकारी देना जरूरी है, ताकि वे गिरफ्तारी जैसे सख्त कदम उठाने से पहले सोच–समझकर और कानूनी सलाह लेकर काम करें। कोर्ट ने यह भी कहा कि ऐसे गलत फैसलों से देश की अंतरराष्ट्रीय छवि को नुकसान पहुंचता है।

चिराग पासवान की प्रत्याशी सीमा सिंह का नामांकन रद्द

छपरा,एजेंसी। मढ़ौरा सीट से बड़ी खबर सामने आई है। यहां चार प्रत्याशियों का नामांकन रद्द कर दिया गया है। इनमें एनडीए समर्थित लोजपा (रामविलास) की उम्मीदवार व फिल्मी कलाकार सीमा सिंह, बसपा के आदित्य कुमार, जदयू के बागी व पूर्व जिलाध्यक्ष अल्ताफ आलम राजू तथा निर्दलीय विशाल कुमार शामिल हैं। 177 मढ़ौरा विधानसभा क्षेत्र की निर्वाची पदाधिकारी सह एसडीओ निधि राज ने इस संबंध में आधिकारिक घोषणा की। लोजपा (आर) उम्मीदवार सीमा सिंह का नामांकन फॉर्म बी में तकनीकी गड़बड़ी के कारण रद्द किया गया है। उन्होंने अंतिम दिन दोपहर करीब 3 बजे नामांकन दाखिल किया था। निर्वाचन आयोग की ओर से उन्हें गड़बड़ी सुधार कर शाम तक पुनः जमा करने का मौका दिया गया था, लेकिन वे समय पर संशोधित फॉर्म जमा नहीं कर सकीं।

कांग्रेस का नीतीश पर तीखा हमला

रिमोट कंट्रोल वाले मुख्यमंत्री को जनता देगी जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने शनिवार को जोर देकर कहा कि बिहार की जनता मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को अलविदा कह देगी। उन्होंने जनता दल (यूनाइटेड) प्रमुख पर रिमोट कंट्रोल वाले मुख्यमंत्री होने का आरोप लगाया। एएनआई से बात करते हुए, रमेश ने विश्वास जताया कि 6 और 11 नवंबर को दो चरणों में होने वाले बिहार विधानसभा चुनावों में महागठबंधन स्पष्ट बहुमत हासिल करेगा। कांग्रेस में संचार विभाग के प्रभारी महासचिव रमेश ने कहा कि बिहार की जनता सभी जुमलों और झूठे वादों को समझ गई है। बिहार नीतीश कुमार और भाजपा को अलविदा कह देगा। आप देखेंगे कि महागठबंधन स्पष्ट बहुमत हासिल करने जा रहा है। जमीनी स्तर पर लोग तंग आ चुके हैं। प्रधानमंत्री और गृह मंत्री कुछ भी प्रचार कर रहे हों, लेकिन वे जमीनी हकीकत को नहीं मिटा सकते। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता जानती है कि नीतीश कुमार को वोट देना भाजपा को वोट देने से बेहतर है। नीतीश कुमार रिमोट कंट्रोल वाले मुख्यमंत्री हैं। इस बीच, रमेश ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत द्वारा रूस से तेल खरीद बंद करने पर सहमति जताए जाने के दावे को दोहराने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुप्पी पर भी सवाल उठाया। राज्यसभा सांसद ने कहा, पिछले चार–पाँच महीनों में राष्ट्रपति ट्रंप 52 बार दावा कर चुके हैं कि उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर रोक दिया है। उन्होंने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री से दो बार मुलाकात की, फिर भी हमारे प्रधानमंत्री चुप रहे। उन्होंने उनके फील्ड मार्शल से दो बार मुलाकात की, फिर भी हमारे प्रधानमंत्री चुप रहे। अब ट्रंप ने दो बार कहा है कि भारत रूस से तेल नहीं खरीदेगा। दुनिया की हर बात पर बोलने वाले प्रधानमंत्री इन मामलों पर चुप क्यों हैं? इस बीच, शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि तेजस्वी यादव, जो एक बेहद लोकप्रिय उम्मीदवार और पूर्व उप–मुख्यमंत्री हैं, को महागठबंधन का मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया जाना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि सीट आवंटन और उम्मीदवार चयन में जो गलतियाँ महाराष्ट्र में हुई थीं, वे बिहार में नहीं दोहराई जानी चाहिए।

हाईकोर्ट का आदेश- अंतरधार्मिक जोड़े की सुरक्षा व सही सलामत बरेली पहुंचना सुनिश्चित करें एसएसपी

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट में शनिवार को छुट्टी के दिन अंतर धार्मिक जोड़ के लापता होने के मामले की सुनवाई के लिए कोर्ट बैठी। इस दौरान अकराबाद पुलिस ने जोड़े को कोर्ट में हाजिर किया। कोर्ट ने बरेली एसएसपी को जोड़े की सुरक्षा और सही सलामत बरेली पहुंचना सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया।

इलाहाबाद हाईकोर्ट में शनिवार को छुट्टी के दिन अंतर धार्मिक जोड़ के लापता होने के मामले की सुनवाई के लिए कोर्ट बैठी। इस दौरान अकराबाद पुलिस ने जोड़े को कोर्ट में हाजिर किया। कोर्ट ने बरेली एसएसपी को जोड़े की सुरक्षा और सही सलामत बरेली पहुंचना सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया। साथ

ही एसएसपी अलीगढ़ को कहा कि वह अगली तिथि पर मामले की पूरी जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करें। यह आदेश न्यायमूर्ति सलिल कुमार राय व दिवेश चंद्र समंत की खंडपीठ ने बंदी प्रत्यक्षी करण अर्जी पर दिया। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अदालत में पेश होने के ठीक बाद अंतरधार्मिक जोड़े के कथित तौर पर लापता होने के मामले को गंभीरता से लेते हुए शनिवार (18 अक्तूबर) को अवकाश के दिन सुनवाई करने का फैसला किया। शुक्रवार को कोर्ट ने प्रयागराज के पुलिस कमिश्नर, एसएचओ सिविल लाइन, एसएसपी अलीगढ़, एसएचओ अकराबाद व लड़की के पिता को निर्देश दिया है कि वे दोपहर 12 बजे जोड़े को अदालत में पेश करें।

यह आदेश न्यायमूर्ति सलिल कुमार राय, न्यायमूर्ति दिवेश चंद्र सामंत की खंडपीठ ने बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर दिया। शुक्रवार को सुनवाई के दौरान याची अधिवक्ता अली बिन सैफ ने दलील दी कि लड़की के नाखुश परिजनों ने बरेली में युवक के खिलाफ झूठे आरोपों में मुकदमा दर्ज कराया है। मुकदमे को रद्द करने की मांग में युवक ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी।

15 अक्तूबर की सुनवाई में लड़की ने पीठ के सामने बयान दिया था कि वह अपनी मर्जी से उसके साथ रह रही है। उससे शादी करना चाहती है। सुनवाई के बाद जैसे ही वह कोर्ट के बाहर निकले तो लापता हो गए हैं। उनकी जान को खतरा है। खंडपीठ ने मामले की गंभीरता को समझते हुए कहा कि शनिवार को कार्य दिवस नहीं है, फिर भी मामले की अत्यावश्यकता को देखते हुए यह विशेष कोर्ट बुलाई गई है।

डीसीपी बोले - दरोगा पर यौन शोषण का आरोप गलत, विवेचना में लापरवाही पर किया गया निलंबित

प्रयागराज। किशोरी के परिजनों ने आरोप लगाया है कि उनकी बेटी 14 अक्तूबर की रात सूबेदारगंज रेलवे स्टेशन से बरामद की गई, लेकिन उन्हें सूचना नहीं दी गई। किशोरी को कल्याणपुर के बूथ प्रभारी सब इंस्पेक्टर रवींद्र शर्मा बिना महिला कांस्टेबल के छह घंटे तक साथ रखा। किशोरी को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने के मामले में पीड़िता की बरामदगी के बाद आरोपी युवक का दूसरे दिन भी सुराग नहीं लग सका है। इससे पहले पीड़िता के परिजनों ने कल्याणपुर के बूथ प्रभारी दरोगा रवींद्र शर्मा पर आरोपी युवक को जान बूझकर भगाने और किशोरी के यौन शोषण का आरोप लगाया था। इसके बाद आरोपी

दरोगा को निलंबित कर दिया गया था। मामले में आरोपी के पिता आशाराम, चाचा रामसिंह और दोस्त शिवकुमार को हिरासत में लेकर पुलिस पूछताछ कर रही है। दूसरी ओर डीसीपी ने दरोगा पर लगे यौन शोषण के आरोप को निराधार बताया है। साथ ही कहा है कि विवेचना में लापरवाही के कारण निलंबन की कार्रवाई की गई है। किशोरी के परिजनों ने आरोप लगाया है कि उनकी बेटी 14 अक्तूबर की रात सूबेदारगंज रेलवे स्टेशन से बरामद की गई, लेकिन उन्हें सूचना नहीं दी गई। किशोरी को कल्याणपुर के बूथ प्रभारी सब इंस्पेक्टर रवींद्र शर्मा बिना महिला कांस्टेबल के छह घंटे तक साथ रखा। इस दौरान बेटी का अपहरण करने वाले आरोपी आकाश पटेल को जानबूझकर छोड़ दिया गया। अगले दिन किशोरी को परिजनों के हवाले कर दिया गया। इसके बाद परिजनों की ओर से आरोप लगाया गया कि दरोगा ने पीड़िता का यौन शोषण किया है। इस संबंध में डीसीपी गंगापार कुलदीप सिंह गुनावत ने बताया कि विभागीय जांच में यौन शोषण के आरोप निराधार पाए गए हैं, हालांकि विवेचना में लापरवाही पाए जाने पर दरोगा को निलंबित किया गया है। मामले में शुक्रवार को पीड़िता किशोरी का न्यायालय में बयान दर्ज कराने के साथ ही मेडिकल परीक्षण कराया गया है। हालांकि अभी यह खुलासा नहीं हुआ कि पीड़िता ने मजिस्ट्रेट के समक्ष क्या बयान दिए हैं। वहीं मामले में मेडिकल रिपोर्ट भी अहम है जिसका पुलिस को इंतजार है। दूसरी ओर पुलिस ने शुक्रवार को किशोरी को बहला-फुसलाकर भगाने के आरोपी आकाश की तलाश में दबिश दी लेकिन कामयाबी नहीं मिल सकी।

आवेदनों पर बैंक तत्काल उपलब्ध कराएं ऋण: डीएम

प्रयागराज। समूह की महिलाएं बेहतरीन काम कर रही हैं। अपने काम को आगे बढ़ाने के लिए उन्हें आर्थिक सहायता की जरूरत होती है। प्रदेश सरकार ने इनके लिए नियम बनाए हैं। जिनके आवेदन पत्र जाएं, उन्हें बैंक तत्काल ऋण उपलब्ध कराएं। यह बातें जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने शुक्रवार को विकास भवन स्थित सरस हाल में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत ग्रामीण क्षेत्र के बैंक शाखा प्रबंधकों के सूक्ष्म वित एवं वित्तीय समावेशन विषय आयोजित कार्यशाला में कहीं। कार्यक्रम की शुरुआत जिलाधिकारी ने दीप प्रज्ज्वलित कर की।

कई प्रधान आए और गए लेकिन नहीं बदली गांव की तस्वीर

प्रयागराज। सहसों सहसों ग्राम सभा का मजरा इनायतपुर। यहां की आबादी दो हजार। वोटरों की संख्या करीब एक हजार। सोनकर, बिंद, भारतीया, यादव, प्रजापति आदि वर्गों का यह मिला जुला गांव है। यह मजरा देखकर ऐसा लगता है कि जैसे यहां का विकास करने में किसी को कोई रुचि नहीं है। पक्की नालियों के अभाव में जगह जगह बजबजा रहा गंदा पानी, टूटी फूटी सड़कें। वह भी बीच बीच में धंस गई है। इन रास्तों से चार पहिया वाहनों का निकलना मुश्किल है। सभी घरों के सामने पेयजल योजना के तहत नल खड़ा कर दिया गया है लेकिन उनकी टोटियों से आज तक पानी नहीं गिर सका।

गांव के अंदर गंदगी से भरा हुआ तालाब। इस मजरे में चारों तरफ अव्यवस्था का आलम दिखाई देता है। ग्रामीणों का आरोप है कि कालोनी और शौचालय भी यहां के लोगों को बहुत कम मिला है। गांव की रीता देवी पत्नी श्याम बाबू भारतीया ने कहा कि कईअउ प्रधान आएन और गएन, हमरे गउना में कउनउ काम नाही भवा। हमका आज तक कॉलोनी और शौचालय की सुविधा नाहीं मिली। कई बार प्रयास करने के बाद भी कोई सुनवाई नहीं हुई। यह हाल है सहसों ग्राम सभा के मजरों का। इनायतपुर में समस्याओं का अंबार है। गांव के धर्मेंद्र भारतीया, विजय भारतीय का कहना है कि घर के सामने की सड़क खराब हो गई है। जगह-जगह सड़क धंस गई है। जिसके कारण चार पहिया वाहन घर तक नहीं आ पाता। घर में बेटी की शादी पड़ने पर गाड़ी दरवाजे तक नहीं आने से काफी समस्या हुई है। सोनू सरोज ने बताया पेयजल योजना के तहत घर-घर नल लगा दिया गया है लेकिन नलों में आज तक पानी नहीं आया। जिसके कारण पीने के पानी की आपूर्ति नहीं हो पा रही है। गांव के विजय कुमार बिंद का कहना है कि इस गांव से जन प्रतिनिधियों का कोई लगाव नहीं है। यहां की समस्या देखने कोई नहीं आता। प्रयास के बाद फूलपुर सांसद प्रवीण पटेल के द्वारा मुख्य मार्ग से लेकर हीरालाल सोनकर के घर तक 190 मीटर इंटरलॉकिंग का कार्य कराया गया है। उसके बाद मांग है कि कल्लू सोनकर के घर से लेकर नहर के पार भैया राम प्रजापति के घर तक यदि सड़क व पुलिया का निर्माण हो जाए तो इस रास्ते से चकिया, घरहरा, चंदौहा, महड़ौरा, शिवपुर व रिंग रोड तक लोगो का आवागमन आसान हो जाय। गांव के पीछे नहर की पुलिया पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई है। जिसके कारण आए दिन उससे गुजरने वाले ग्रामीण व जानवर नहर में भरे हुए पानी में गिरकर घायल हो जाते हैं। गांव में बिंदेश्वर विश्वनाथ महादेव मंदिर के पीछे का तालाब गंदगी से भरा हुआ है। ग्रामीणों की मांग है कि पूरे सहसों ग्राम सभा में एक भी अमृत सरोवर का निर्माण नहीं किया गया है। यदि इस तालाब की सफाई करवा कर अमृत सरोवर के रूप में इसका विकास कराया जाय तो इसकी काया बदल जाएगी। गांव का विकास कराने का जुनून इनायतपुर गांव के विजय कुमार बिंद के ऊपर गांव में सभी सुविधाएं उपलब्ध कराने का जुनून सवार रहता है।यह डिप्टी सीएम, सांसद, विधायक ब्लॉक प्रमुख, ग्राम प्रधान सभी को बराबर पत्र भेज कर गांव का विकास करने का

गुहार लगाते रहते है। यह अपने गांव का नाम इनायतपुर के साथ ही राम, राधा, कृष्ण, हनुमान, शिव, दुर्गे, हरि ओम नगर अपने व पूरे परिवार के आधार में दर्ज करवा दिया है। ग्रामीणों द्वारा इंटरलॉकिंग कार्य कराने की मांग गोल्डी पटेल से करने पर उनके पति फूलपुर सांसद प्रवीण पटेल के द्वारा 190 मीटर इंटरलॉकिंग का कार्य करवाया गया। अमृत सरोवर बनने से गांव में आएगी सुंदरता ग्रामीणों का कहना है कि गांव में कई तालाब है लेकिन उनका सुंदरीकरण नहीं कराया गया। दूसरे गांव में सुंदर तालाब देखकर उन सब का भी मन करता है कि उनके गांव में भी इसी तरह का तालाब का सुंदरीकरण कराया जाय। जहां पर गांव के लोग सुबह-शाम बैठकर आपस में एक दूसरे का हाल-चाल लेते हुए वहां टहल सके। सड़क खराब होने से घर तक नहीं पहुंची दूल्हे की गाड़ी गांव के अंदर सड़क खराब होने से दूल्हे की गाड़ी घर तक नहीं पहुंच पाई। सड़क बीच-बीच में धंस जाने के कारण कर वहां से कुछ दूर पर ही रोक दिया गया। विजय भारतीय ने बताया उसे इस बात का काफी मलाल है कि घर का दूल्हा वहां से पैदल चलकर दरवाजे तक आया। सड़क की मरम्मत कराने के लिए उन्होंने कई बार आवाज उठाई लेकिन विवाह बीत जाने के बाद भी उसका मरम्मत नहीं हो सका। बोले जिम्मेदार मेरी पत्नी गोल्डी पटेल इनायतपुर गांव में गई थी। जहां ग्रामीणों की मांग पर 190 मीटर इंटरलॉकिंग का कार्य कराया गया है। इसके अलावा और भी जो समस्याएं हैं। उसको दूर करने का प्रयास कराया जाएगा। भाजपा सरकार में सभी गांव का बराबर विकास कराया जा रहा है। प्रदेश के मुख्यमंत्री व प्रधानमंत्री का सपना है कि सभी लोगों को सड़क, पानी, शौचालय व आवास आदि सुविधाएं मुहैया कराई जाए। जिस पर निरंतर कार्य चल रहा है। प्रवीण पटेल, सांसद फूलपुर सहसों ग्राम सभा में कुल चार तालाब है। सभी तालाबों में घरों का प्रयोग होने वाला गंदा पानी निकल कर जाता है। ब्लॉक स्तर टीम की जांच के बाद अमृत सरोवर का निर्माण नहीं कराया जा सका। इनायतपुर गांव में इंटरलाकिंग सड़कें जो जगह-जगह बैठ गई है। बारिश समाप्त होने वाली है। इसका जल्द ही मरम्मत कार्य कराया जाएगा। विष्णु केसरवानी, ग्राम प्रधान सहसों

हमारी भी सुनेः गांव में समस्याओं की कमी नहीं है। मेरे द्वारा सभी जगह गांव के विकास के लिए गुहार लगाई गई है। सांसद जी को छोड़कर और किसी के द्वारा कोई विकास कार्य नहीं कराया गया है। समाचार पत्र के माध्यम से हम अपनी पीड़ा जिम्मेदार लोगों तक पहुंचाना चाह रहे हैं। -विजय कुमार बिंद, इनायतपुर नल सभी घरों के सामने लगा दिया गया है। उसमें से आज तक पानी नहीं आया। एक दिन पता चलेगा कि बिना पानी के ही बिल की वसूली शुरू हो गई है। उसके लिए भी परेशान होना पड़ेगा। -रीता देवी, इनायतपुर मेरे घर के सामने सड़क बीच-बीच में बैठ गई है। चार पहिया गाड़ियां नहीं आ पाती। घर में शादी पड़ी थी। दरवाजे तक गाड़ियां नहीं आने के कारण काफी समस्या उठानी पड़ी। -विजय भारतीया, इनायतपुर नाली पूरी तरह से टूट गई है। घरों से निकलने वाला गंदा पानी बहकर आगे नहीं जा पा रहा है। गंदगी होने के कारण रोग फैलने का भी अंदेशा बना हुआ है। -सोनू सरोज, इनायतपुर पक्की नाली नहीं बनने से घरों का गंदा पानी जमा होकर बदबू मारता है। काफी संख्या में मच्छर पैदा हो गए हैं। यदि पक्की नाली बन जाए तो यह समस्या दूर हो जाएगी. -मनसा देवी, इनायतपुर काफी दूर तक अभी सड़क बनना बाकी है। यदि यह सड़क का निर्माण हो जाए तो बारिश के मौसम में कीचड़ से होकर जाने से छुटकारा मिल जाएगा। -कल्ली देवी, इनायतपुर चुनाव के समय वोट पाने के लिए जितना मेहनत नेता करते हैं। उतनी मेहनत चुनाव जीतने के बाद विकास को लेकर कर दें तो ग्रामीणों को उन्हें दुबारा वोट देने के लिए सोचना नहीं पड़ेगा। -राकेश सोनकर, इनायतपुर गांव के बगल नहर की पुलिया क्षतिग्रस्त हो गई है। नई पुलिया का निर्माण कर देने से कई गांव के लोगों का आवागमन आसान हो जाएगा पुलिया गड़बड़ होने से आए दिन लोग नहर में गिर जाते हैं। -सीताराम बिंद, इनायतपुर

अगर ऊंची छलांग में हैं माहिर तभी कर पाएंगे रपटा पुल से सफर, तीन माह से क्षतिग्रस्त पड़ा है पुल

प्रयागराज। तहसील क्षेत्र कोरांव के रामपुर सेमरिहा गांव में सेवटी नदी पर बना रपटा पुल बीते तीन माह पूर्व आई बाढ़ से क्षतिग्रस्त हो गया था। पुल की हालत का अंदाजा आप तस्वीर देखकर लगा सकते हैं। कई शिकायतों के बाद भी इसकी मरम्मत नहीं कराई गई है।

तहसील क्षेत्र कोरांव के रामपुर सेमरिहा गांव में सेवटी नदी पर बना रपटा पुल बीते तीन माह पूर्व आई बाढ़ से क्षतिग्रस्त हो गया था। पुल की हालत का अंदाजा आप तस्वीर देखकर लगा सकते हैं। कई शिकायतों के बाद भी इसकी मरम्मत नहीं कराई गई है। क्षतिग्रस्त पुल मरम्मत के अभाव में निष्प्रयोज है।

क्षतिग्रस्त होने के पहले इस पुल से दर्जन भर से अधिक गांवों के लोगों का आवागमन हुआ करता था। बाढ़ के कारण पुल का सड़क से जोड़ने वाला हिस्सा बह गया है। यह काम बहुत बड़ा भी नहीं है लेकिन जिम्मेदार लोगों की परेशानी से बेखबर हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि ग्रामीणों ने पीडब्ल्यूडी विभाग के उच्च अधिकारियों से कई बार शिकायत की, यहां तक कि संपूर्ण समाधान दिवस व मुख्यमंत्री पोर्टल पर भी ऑनलाइन शिकायत की किंतु आज तक विभाग के लोग देखने तक नहीं आए।

ग्रामीणों ने बताया कि पुल

का निर्माण 2009 में कोरांव से विधायक रहे राजबली जैसल के प्रयास से हुआ था। निर्माण के बाद से आज तक इसकी मरम्मत नहीं कराई गई। बीते वर्ष भी नदी में आई बाढ़ से पुल के दोनों तरफ का हिस्सा बहाव में बह गया था। ग्रामीणों ने दोनों तरफ स्वयं मिट्टी डालकर आवा गमन चालू कर लिया था। लेकिन, इस वर्ष 17 जुलाई को आई बाढ़ में पुल के दोनों तरफ का बड़ा हिस्सा बढ़ गया। इस पुल से सेमरिहा, शिवपुर, कटरा,अतरेजी, देवघाट सहित दर्जन भर गांवों के लोगों तथा स्कूली बच्चों का आना जाना हुआ करता है।

सेवटी नदी में बने पुल के क्षतिग्रस्त होने से कई गांव के लोगों का आवागमन पूरी तरह से प्रभावित हो गया है। कई बार विभागीय अधिकारियों से शिकायत की गई किंतु विभागीय लोग बेपरवाह बने हुए हैं। -प्रकाश तिवारी, सेमरिहा

तीन महीने पूर्व आई बाढ़ से पुल के दोनों तरफ का साइडर एवं पुल भी क्षतिग्रस्त हो गया है।

आवागमन के लिए एक तरफ ग्रामीणों के सहयोग से मिट्टी तो डाल दी गई है। वहीं दूसरे तरफ ज्यादा कटान होने की वजह से मिट्टी भर पाना मुश्किल हो गया है। बांस का चह बनाकर किसी तरह लोग आवागमन के लिए मजबूर है। - सचिन कुमार त्रिपाठी।

प्रयागराज जाने के लिए नेशनल हाईवे मार्ग तक पहुंचने के लिए 10 किलोमीटर का चक्कर लगाना पड़ता है। सबसे ज्यादा समस्या स्कूली बच्चों के लिए बना हुआ है। जान जोखिम में डालकर स्कूली बच्चे अपनी साइकिल पार किया करते हैं। - भोलानाथ विश्वकर्मा

पुल एवं सड़क दोनों की हालत बेहद खराब है। आवागमन पूरी तरह प्रभावित है। जबकि यह गांव ब्लॉक प्रमुख कोरांव का गांव है। वहीं चार किलोमीटर दूर क्षेत्रीय विधायक राजमणि कोल का भी निवास है। किंतु जनप्रतिनिधि पुल निर्माण के लिए कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं। - अंकित दुबे, रामपुर सेमरिहा

वैकल्पिक व्यवस्था की जिम्मेदारी ब्लॉक प्रमुख एवं ग्राम प्रधान की है। रही बात पुल की मरम्मत के लिए विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। जल्द ही मरम्मत का कार्य कराया जाएगा। एक-दो दिन में वैकल्पिक व्यवस्था करा दी जाएगी। - राजमणि कोल, विधायक कोरांव

गतिरोध से असिस्टेंट प्रोफेसर के 2560 पदों पर भर्ती अटकी, दो वर्ष में नहीं हो सकी एक भी भर्ती

प्रयागराज। शिक्षा सेवा चयन आयोग के गठन को दो वर्ष से अधिक समय हो गया है लेकिन अभी तक आयोग एक भी भर्ती प्रक्रिया पूरी नहीं कर सका है। इससे प्रतियोगी भर्तियों के बड़े अवसरों से तो वंचित हैं ही प्रदेश के महाविद्यालयों में पढ़ाई भी प्रभावित हो गई है। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग में गतिरोध की वजह से असिस्टेंट प्रोफेसर के 2560 पदों पर भर्ती अटक गई है। 1310 पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया जारी है लेकिन अलग-अलग कारणों से गतिरोध बन गया है। वहीं 1250 रिक्तियों की सूची मंगा ली गई है और इनके लिए अधियाचन पोर्टल का इंतजार है।

शिक्षा सेवा चयन आयोग के गठन को दो वर्ष से अधिक समय हो गया है लेकिन अभी तक आयोग एक भी भर्ती प्रक्रिया पूरी नहीं कर सका है। इससे प्रतियोगी भर्तियों के बड़े अवसरों से तो वंचित हैं ही प्रदेश के महाविद्यालयों में पढ़ाई भी प्रभावित हो गई है। भर्ती लंबित होने की वजह से कॉलेजों में शिक्षकों के तीन हजार से अधिक पद खाली हैं। इनमें से विज्ञापन संख्या 51 के अंतर्गत असिस्टेंट प्रोफेसर के 1310 पदों के लिए लिखित परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया गया है लेकिन उसमें गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए प्रतियोगी आंदोलनरत हैं। अभ्यर्थियों ने आपत्तियां भी दर्ज कराई हैं। इसके अलावा प्रो. कीर्ति पांडेय ने अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है। इसकी वजह से भी गतिरोध बन गया है और असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती का साक्षात्कार स्थगित कर दिया गया है।

उच्च शिक्षा निदेशालय की ओर से असिस्टेंट प्रोफेसर के अन्य रिक्त पदों की सूची भी मंगा ली गई है। निदेशालय की ओर से 1250 पदों की सूची आयोग को भेजी गई है लेकिन गाइडलाइन के तहत अधियाचन आयोग के पोर्टल पर भेजना है। इसके विपरीत आयोग में अभी तक अधियाचन पोर्टल ही नहीं बन पाया है। ऐसे में इन पदों के लिए भी अभी तक भर्ती प्रक्रिया शुरू नहीं हो पाई है। मुश्किल यह कि आयोग के अफसरों के अनुसार नए अध्यक्ष की नियुक्ति के बाद ही किसी भर्ती की प्रक्रिया शुरू हो पाएगी।

नई भर्ती के लिए विज्ञापन निकाला जाना तो दूर पहले से जारी भर्ती प्रक्रिया भी नए अध्यक्ष के आने तक रुकी रहेगी। आयोग के अधियाचन पोर्टल के तैयार होने में भी 20 दिन से एक महीने तक का समय लगने की बात कही जा रही है। इसके बाद ही नई भर्ती के लिए अधियाचन हो पाएगा। इसके बाद ही असिस्टेंट प्रोफेसर के रिक्त 1250 पदों के लिए विज्ञापन निकाले जाने की प्रक्रिया शुरू हो पाएगी। तब तक शिक्षकों के अलावा असिस्टेंट प्रोफेसर के 2560 पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया रुकी रहेगी।

ट्रेनों में खचाखच भीड़, फ्लाइटों का किराया छू रहा आसमान, दिवाली पर घर की राह नहीं आसान

प्रयागराज। दिवाली पर घर आने वालों की भीड़ सफर के दौरान नजर आने लगी है। शनिवार से सोमवार तक तीन दिन की छुट्टी मिलने की वजह से ज्यादातर लोगों ने शुक्रवार से ही अपने गंतव्य की राह पकड़नी शुरू कर दी। दिवाली पर घर आने वालों की भीड़ सफर के दौरान नजर आने लगी है। शनिवार से सोमवार तक तीन दिन की छुट्टी मिलने की वजह से ज्यादातर लोगों ने शुक्रवार से ही अपने गंतव्य की राह पकड़नी शुरू कर

दी। इसका असर यह रहा कि प्रयागराज जंक्शन समेत अन्य रेलवे स्टेशनों पर आने वाली ट्रेनों में खचाखच भीड़ रही। दिल्ली और मुंबई से आने वाली ट्रेनों में काफी संख्या में लोग प्रयागराज पहुंचे। वहीं, कई शहरों की फ्लाइटों में बीते दो से तीन दिन में किराया आसमान छूने लग गया है। जितनी भीड़ यहां आने वालों की है, उतनी ही भीड़ यहां से रवाना होने वाली ट्रेनों में नजर आ रही है। रेलवे ने स्पेशल ट्रेनों का भी संचालन किया है लेकिन सभी में अब लंबी प्रतीक्षा सूची हो गई है। प्रयागराज एक्सप्रेस हो या फिर हमसफर एक्सप्रेस, पुरुषोत्तम एक्सप्रेस, पूर्वा एक्सप्रेस, शिवगंगा, नंदन कानन, सीमांचल एक्सप्रेस समेत अन्य ट्रेनें पूरी तरह भरी हुई आ रही हैं। प्रयागराज एक्सप्रेस से सुबह जंक्शन पहुंचे नीरज अग्रवाल ने बताया एसी कोच में काफी संख्या में वेटिंग लिस्ट वाले यात्री घुस गए थे। इससे हम लोगों को असुविधा हुई। वहीं, दिल्ली, मुंबई और बंगलूरू की फ्लाइटों में सबसे ज्यादा बुकिंग हुई है। शुक्रवार और शनिवार को दिल्ली से प्रयागराज का किराया 15 हजार रुपये से कम का नहीं है। इसी तरह बंगलूरू और मुंबई से यहां का किराया 20 हजार के ऊपर पहुंच गया है। कमोवेश यही स्थिति हैदराबाद और भुवनेश्वर से आने वाली फ्लाइट की भी है।

खेती के ऑफ सीजन में छोटे-मोटे काम करने वालों को किसान योजना से वंचित नहीं किया जा सकता

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि खेती के ऑफ सीजन में गुजर-बसर के लिए छोटे-मोटे काम करने वाले किसानों को किसान कल्याण योजनाओं के लाभ से वंचित नहीं किया जा सकता है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि खेती के ऑफ सीजन में गुजर-बसर के लिए छोटे-मोटे काम करने वाले किसानों को किसान कल्याण योजनाओं के लाभ से वंचित नहीं किया जा सकता है। इस टिप्पणी संग कोर्ट ने ट्रक पर खलासी का काम करने वाले मृतक की पत्नी को मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के तहत मुआवजा देने से इन्कार करने वाले डीएम के आदेश को रद्द कर दिया। यह आदेश न्यायमूर्ति शेखर बी.सर्राफ और न्यायमूर्ति प्रवीण कुमार गिरि की खंडपीठ ने आजमगढ़ निवासी सविता यादव की याचिका पर दिया। सविता के पति संजय ट्रक पर गेहूं की बोरी लाद रहे थे। उसी दौरान लोहे की छड़ बिजली के तार के संपर्क में आने से उनकी मौत हो गई थी। सविता ने मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना कि तहत मुआवजे का दावा करते हुए डीएम के समक्ष आवेदन किया। डीएम ने 29 मार्च 2023 को यह कहते हुए दावा खारिज कर दिया था कि मृतक ट्रक का खलासी था और उसकी आय का मुख्य स्रोत कृषि कार्य नहीं था।

27 वां जमुनापार महोत्सव, 27 अक्टूबर से

करछना। आगामी 27 अक्टूबर से क्षेत्र के रामपुर स्थित श्री बृजमंगल सिंह इंटर कॉलेज परिसर में 27वें सात दिवसीय जमुनापार महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। अपनी माटी,परिपाटी,संस्कृति,संस्कार,लोक कला,साहित्य और सामाजिक समरसता के प्रतीक महोत्सव में विविध दिवसों पर कई अनूठे

कार्यक्रम भी आयोजित किए गए हैं। उद्घाटन समारोह के बाद प्रतिदिन सायं 4रू00 बजे से 7बजे तक रामकथा प्रवाचक,प्रयाग के पूज्य स्वामी विनोदानन्द सरस्वती जी महाराज द्वारा मानस ज्ञान गंगा प्रवाहित होगी। राम कथा के पूर्व प्रतिदिन महोत्सव मंच पर जमुनापार क्षेत्र से आए विभिन्न विद्यालयों की छात्र–छात्रा प्रतिभागियों के बीच निबंध,वाद विवाद,लोक गायन,लोक नृत्य प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया है। आकाशवाणी,दूरदर्शन से जुड़े युवा और वरिष्ठ लोक कलाकार विभिन्न दिवसों में अपने लोकगायन का जलवा बिखेरेंगें। महोत्सव के समापन दिवस पर 2 नवम्बर, रविवार को विभिन्न क्षेत्रों में जमुनापार और प्रयाग की माटी का नाम रोशन करने वाली प्रेरक व्यक्तित्व और कृतित्व की पर्याय विभूतियों को मंच पर सम्मानित भी किया जाएगा। जमुनापार जागृति मिशन और महोत्सव के संयोजक डा..भगवत पांडेय ने बताया कि आयोजन से जुड़ी विभिन्न समितियों ने तैयारी शुरू कर दी है।उन्होंने स्थानीय जनमानस से अनवरत 7 दिन तक राम कथा रसपान करने के साथ–साथ विभिन्न कार्यक्रमों को अपनी उपस्थिति से महोत्सव को गौरवान्वित करने की अपील की है।

भारतीय ज्ञान परम्परा पर अनुसंधान विषय पर कार्यशाला सम्पन्न

प्रयागराज। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज में षष्ठदिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का समापन आज दिनांक 18–10–2025 को परिसरीय मुख्य सभागार में सम्पन्न हुआ। कार्यशाला के सम्पूर्ति सत्र में सारस्वतातिथि प्रो. सुद्युम्नाचार्य, निदेशक, वेदवाणी–वितान–ओरिएन्टल शोध संस्थान तथा मुख्यातिथि प्रो. अरविन्द झा, आचार्य, इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी ने की।

कार्यक्रम के सारस्वतातिथि प्रो. सुद्युम्नाचार्य ने अपने वक्तव्य में भारतीय ज्ञान परम्परा में विशेषतरू गणित के क्षेत्र में शोध कार्यों की अपार सम्भावनाएँ एवं आवश्यकता बताई। गणितीय

ग्रन्थों पर शोध हेतु उन्होंने विशेष बल दिया। कार्यक्रम के मुख्यातिथि प्रो. अरविन्द ओझा ने न्याय शास्त्र के साथ मनोविज्ञान जैसे विषयों के समावेशित क्षेत्र को शोध विषय के रूप में सम्मिलित करने को शोध का सुअवसर बताया।

उन्होंने अनुसंधान करने से पूर्व अनुसंधान के औचित्य के निर्धारण को विशेष महत्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी ने कार्यशाला को औपचारिक शोध के साथ साथ शोध की अन्य संभावनाओं को अन्वेषित करने का माध्यम बनाने को प्रेरित किया। उन्होंने ज्ञान प्राप्त करने की जिज्ञासा को विद्वता प्राप्त करने का प्रथम सोपान बताया। अध्यक्षीय उद्बोधन में उन्होंने भविष्य में परिसर में विभिन्न अन्य शोध विषयों को भी सम्मिलित कर कार्यशालाओं के आयोजन का आश्वासन दिया।

समस्त अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत उक्त कार्यक्रम के संयोजक प्रो. देवदत्त सरोदे ने करते हुए कार्यशाला के विषय में विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. यशवन्त कुमार त्रिवेदी ने किया।

इस अवसर पर प्रो. रामकृष्ण पाण्डेय "परमहंस", प्रो. मनोज कुमार मिश्र, डॉ. सुरेश पाण्डेय, डॉ. अंजनी कुमार पुण्डरीक, श्री संजय कुमार मिश्र, श्री राजेशकान्त तिवारी, श्री अंकित मिश्र, सुश्री अश्विनी लंके, श्री रामसुरेश तिवारी, डॉ. विपिन द्विवेदी तथा परिसरीय अन्य कर्मचारी एवं अधिकारीगण तथा देश के विभिन्न प्रान्तों से कार्यशाला में भाग लेने वाले शोधच्छात्र एवं प्राक्शोध पाठ्यक्रम के छात्र–छात्राएँ समेत अन्य परिसरीय छात्र–छात्राएँ समुपस्थित रहे।

एनयूजे प्रयागराज ने मनाया दीपावली महोत्सव

पत्रकार समाज को दिशा देता हैः डॉ सुशील कुमार

पत्रकार राष्ट्रहित को सोचता हैः कृपवन दिवेदी

हर सदस्य के मान सम्मान का पूरा ध्यान रखा जा रहाः कुन्दन श्रीवास्तव

प्रयागराज। नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट इंडिया के प्रयागराज जिला इकाई ने अमर नाथ इंटर कालेज राजरूपपुर मे दीपावली महोत्सव आयोजन किया। कार्यक्रम मे मुख्य अतिथी प्रयाग राज के वरिष्ठ समाजसेवी तथा दूारिका अस्पताल के निदेशक डॉ सुशील कुमार सिन्हा थे। विशिष्ट अतिथी संगठन के वरिष्ठ संरक्षक पवन दिवेदी विशिष्ट अतिथी विधायक प्रतिनिधी अखिलेश श्रीवास्तव कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष कुन्दन श्रीवास्तव ने किया।

कार्यक्रम मे मुख्य अतिथी डॉ सुशील कुमार सिन्हा ने अपनो हाथो से संगठन के सभी पदाधिकारियो तथा सदस्यो (पत्रकारो) को दिपावली उपहार दिया साथ ही दीपावली महोत्सव को सम्बोधित करते हुए कहाँ कि पत्रकार अपने खबरो के माध्यम से समाज को दिशा देने का काम करता है । श्री सिन्हा ने दीपावली पर सावधानी पूर्वक पटाखे जलाने की अपील की साथ मुख्य अतिथी श्री सिन्हा कहाँ एनयूजे के सदस्यो के बीच आने पर अपनापन का एहसास होता है मै लगातार एनयूजे के बीच आया हूँ और आता रहूँगा तथा एनयूजे को हमारा हर समय पूरा सहयोग है और रहेगा। मुख्य अतिथी डॉ सुशील कुमार सिन्हा ने सभी

पदाधिकारी तथा सदस्यो को दिपावली की पर्व पर सभी को बधाई तथा शुभकामना दी।

विशिष्ट अतिथी संगठन के वरिष्ठ संरक्षक पवन दिवेदी ने दीपावली महोत्सव को सम्बोधित करते हुए कहाँ कि एनयूजे राष्टब्यापी संगठन है हम सब खबरो को राष्टीय हित को ध्यान मे रख कर खबरो को लिखते है देशहित ही सर्वोपरि है । श्री दिवेदी ने एनयूजे के सभी पदाधिकारीयो तथा सदस्यो को दीपावली की बधाई तथा शुभकामना दी।

दीपावली महोत्सव को सम्बोधित करते हुए संगठन के जिला अध्यक्ष कुन्दन श्रीवास्तव ने कहा कि हम सभी पत्रकारो को कार्य करने की कोई समयबद नही होता है हम सब 24 घंटे कार्य करते है इसी को ध्यान मे रखते हुए इस कार्यक्रम को आयोजित किया गया है ताकि हम सब पत्रकार साथी एकसाथ कुछ पल आपस मे बिता सके । संगठन सभी पदाधिकारियो सदस्यो के मान सम्मान का पूरा ध्यान रखता है ।कार्यक्रम का संचालन महामंत्री अखिलेश शुक्ला ने किया। कार्यक्रम सम्बोधित करने वालो मे उमेश श्रीवास्तव मनीष दिवेदी मो नसीम खान देवाशीष श्रीवास्तव आनन्द श्रीवास्तव ने किया।

दीपावली महोत्सव मे उपस्थित सर्व श्री पवन दिवेदी कुन्दन श्रीवास्तव अखिलेश शुक्ला चित्रांशी यादव मो नसीम देवाशीष श्रीवास्तव गिरीश पान्डेय वी के यादव मनोज कुमार धर्मेद कुमार श्रीवास्तव राम बाबू डॉ सुधाकर पान्डेय मधुर दरबारी शनी केसरी असद कुरैशी शिव पान्डेय रंजीत निषाद अशरफ अली नफीस अहमद गौरव त्रिपाठी अमित श्रीवास्तव मूलचद्रं भारती अनूप रावत भाल चद्रं पान्डेय इरफान खान राकेश कुमार पाल राम कैलाश कनौजिया जितेद्रं कुमार सिंह शिव जी मालवीय शीतला प्रसाद तिवारी पवन देव अनिरूद त्रिपाठी सरिता देवी आदि उपस्थित रहे।

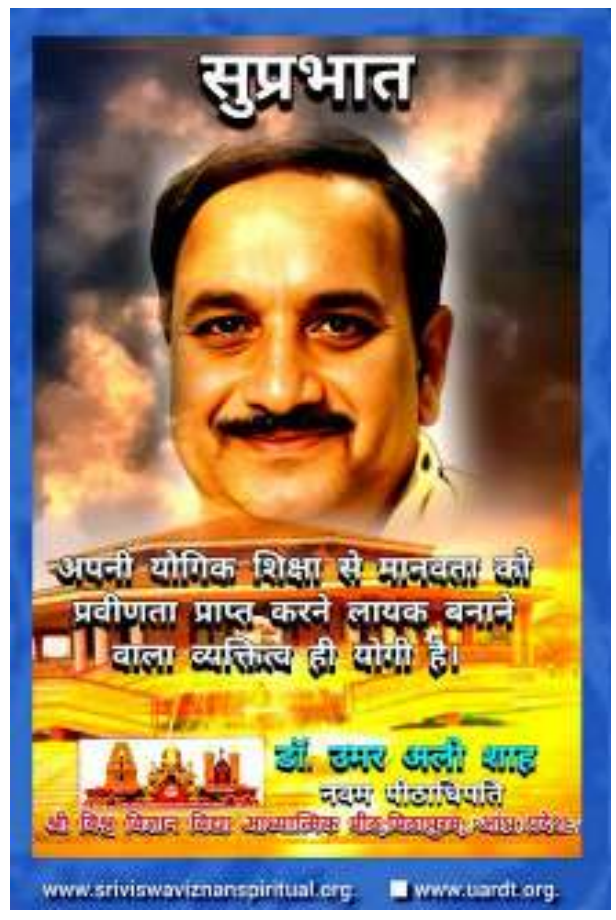

आईएपीएम के डॉ. डी. डी. मित्तल बने 'उत्तराखण्ड विज्ञापन सूचीबद्धता संचालन समिति' के सदस्य

राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन सहयोगी ने संगठन की ओर से दी बधाई एवं शुभकामनाएं

नई दिल्ली/देहरादून। इंडियन एसोसिएशन ऑफ़ प्रेस–एन–मीडियामेन (आईएपीएम) के राष्ट्रीय महासचिव डॉ. डी. डी. मित्तल को 'उत्तराखण्ड विज्ञापन सूचीबद्धता संचालन समिति' का सदस्य बनाया गया है। महानिदेशक, सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार इस समिति में आईएपीएम के प्रतिनिधि के अलावा 7 अन्य गैर सरकारी सदस्य भी शामिल किये गये हैं। आईएपीएम के राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन सहयोगी ने श्री मित्तल को पुष्प गुच्छ भेंट कर संगठन की ओर से बधाई एवं शुभकामनाएं दी। श्री मित्तल संगठन की कई प्रमुख समितियों में सम्मलित होने के साथ–साथ उत्तराखण्ड पत्रकार कल्याण कोष/मुख्यमंत्री पत्रकार सम्मान पेंशन योजना संचालन समिति के सदस्य भी रहे हैं।

राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन सहयोगी ने उन्हे बधाई देते हुए कहा कि विज्ञापन सूचीबद्धता संचालन समिति में उनके सदस्य बनाये जाने से उत्तराखंड

में संगठन के प्रतिनिधित्व को मजबूती मिली है। इससे समाचार पत्रों के हितो के मामलों को हम बेहतर तरीके से सरकार के समक्ष रख सकेंगे।

डॉ. मित्तल ने इस नियुक्ति के लिए उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी एवं सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग के महानिदेशक बंशीधर तिवारी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस महत्वपूर्ण समिति में आईएपीएम का प्रतिनिधित्व हमारे लिए गौरव का विषय है। समाचार पत्रों व पत्रकारों के हितों के लिए महानिदेशक द्वारा किये जा रहे कार्य अत्यन्त प्रशंसनीय एवं मैत्रीपूर्ण हैं। सूचीबद्धता संचालन समिति के गठित होने से निश्चित तौर पर प्रकाशकों को खुशी मिलेगी।

गौरतलब है कि इंडियन एसोसिएशन ऑफ़ प्रेस–एन–मीडियामेन (आईएपीएम) भारतीय प्रेस परिषद द्वारा विधिवत अधिसूचित संगठन है जो राष्ट्रीय स्तर पर पत्रकारों के हितों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए अग्रणीय कार्य कर रहा है।

इस अवसर पर संगठन की ओर से श्री पवन नवरत्न, अर्जुन जैन, शक्ति सिंह बर्थवाल, डा. पवन गुप्ता, वन्दना सहयोगी, विमला मित्तल, महेश कुमार शर्मा, जे. के मिश्रा व यश पांचाल आदि ने विभिन्न माध्यमों से बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

महाप्रबंधक ने किया नवनिर्मित व्हील एवं बोगी शेड का उद्घाटन

रायबरेली। आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना में दिनांक 17.10. 2025 को नवनिर्मित व्हील एवं बोगी शेड का उद्घाटन महाप्रबंधक प्रशान्त कुमार मिश्रा के कर कमलों द्वारा आरेडिका के प्रधान मुख्य विभागाध्यक्षों की उपस्थिति में किया गया। आरेडिका को 1000 कोच निर्माण की क्षमता हेतु स्थापित किया गया था। लेकिन निर्माण क्षमता में आरेडिका लगातार वृद्धि कर रहा है, अतः उत्पादन को गति देने के लिए अवसंरचना में

विस्तार करना भी आवश्यक होता है। जिससे कोच निर्माण में उपयोग होने वाले व्हीलों एवं बोगियों के उचित रख–रखाव हेतु लम्बे समय से एक अतिरिक्त शेड की आवश्यकता महसूस हो रही थी। इसलिए अभियांत्रिकी विभाग एवं विद्युत विभाग के सहयोग से 3060 स्क्वायर मीटर के नये व्हील एवं बोगी शेड का निर्माण कार्य किया गया है। महाप्रबंधक महोदय ने बताया कि यह अवसंरचना विस्तार हेतु एक महत्वपूर्ण कदम है।

इसके निर्माण से रेल डिब्बा के उत्पादन में वृद्धि होगी एवं अतिरिक्त व्हील एवं बोगी प्रबंधन में मदद मिलेगी। इसके साथ ही महाप्रबंधक महोदय ने वन्देभारत में लगने वाले सीटों का निरीक्षण किया। इस अवसर पर आरेडिका के प्रधान मुख्य यांत्रिक अभियंता विवेक खरे, प्रधान मुख्य विद्युत अभियंता मनोज कुमार जिंदल, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी रवीश कुमार, प्रधान वित्त सलाहकार बीएल मीना, प्रधान मुख्य, अभियंता एसपी यादव, प्रधान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 आभा जैन, सीएमएम/फर आर के सिंह, सीएमएम/बोगी सुशील झा, सीएमएम/शेल के के कनौजिया, महानिरीक्षक सह प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त रमेश चन्द एवं सिविल एवं विद्युत विभाग के सभी वरिष्ठ अधिकारी सहित अन्य उच्च अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

डेजी के फूल

(कुण्डलिया)

कोई शक–सुबहा नहीं, सबको है मक़बूल।
गुलबहार को ही कहे, दुनिया डेजी फूल।
दुनिया डेजी फूल, गोल जिसकी है सूरत।
सूरज के ही साथ, गढ़े यह अपनी मूरत।
सुन लो कहे प्रदीप,रंग की देख तिजोरी।
इसको कह अनमोल, न करते तुलना कोई।।

प्यारी कोमल पंखुड़ी, सूरज जैसी गोल।
सूरज के ही साथ में, फूल रहे हैं डोल।
फूल रहे हैं डोल,देख दुनिया हर्षायी।
इसके सारे रंग,बताते 'डेजीश आयी।
सुन लो कहे प्रदीप,देखकर इसकी क्यारी।
हल्की मध्यम महक, लगे सबको अति प्यारी।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

समेकित शिक्षा के अन्तर्गत को- रिलेटेड आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण का हुआ शुभारंभ

प्रयागराज। समेकित शिक्षा के अंतर्गत आंगनबाड़ी कार्यकत्री के तीन दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ हुआ और 18/10/2025 को समाप्त हुआ खंड शिक्षा अधिकारी करछना के देखरेख में बी आर सी करछना के प्रांगण में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियो का तीन दिवसीय प्रशिक्षण खंड शिक्षा अधिकारी श्री शैलपति यादव द्वारा सरस्वती प्रतिमा पर द्वीप

प्रज्वलित व माल्यार्पण कर शुभारंभ किया गया। प्रशिक्षण में कुल 30 आगनवाड़ी कार्यकत्रियों ने प्रतिभाग किया। संदर्भदाता विशेष शिक्षक आलोक राय,वीरेन्द्र कुमार पाल, व नीलम के द्वारा दिव्यांगता के बारे में चर्चा किया गया और सभी दिव्यांगता के कारण ,प्रकार , लक्षण , चिन्हांकन, नामांकन व समेकित शिक्षा के अंतर्गत चल रहे अन्य सुविधाओं के बारे में चर्चा किया गया सोल्स आर्क टीम का भी सहयोग रहा।

त्योहार विशेष रेलगाड़ियों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुये त्योहार विशेष रेलगाड़ियों के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

(1) गाड़ी संख्या 06235/06236 यशवंतपुर जं.- बनारस-बेंगलूरु छावनी एक्सप्रेस विशेष रेलगाड़ी

06235 यशवंतपुर जं.-बनारस विशेष			06236 बनारस - बेंगलूरु छावनी विशेष	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
--	--	बेंगलूरु छावनी	05:00(शुक्र.)	--
--	07:00(रवि.)	यशवंतपुर जं.	--	--
21:46	21:47	मानिकपुर जं.	16:43	16:45
00:10	00:15(मंगल.)	प्रयागराज छिवकी	14:55	15:00
05:00(मंगल.)	--	बनारस	--	12:15(बुध.)

यशवंतपुर जं.-बनारस सेः गाड़ी संख्या 06235, (रविवार), दिनांक 19.10.2025 एवं 26.10.2025 बनारस-बेंगलूरु छावनी सेः गाड़ी संख्या 06236, (बुधवार), दिनांक 22.10.2025 एवं 29.10.2025
गाड़ी संरचनाः वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी- 02, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी-05, स्लीपर श्रेणी-10, सामान्य श्रेणी-04

(2) गाड़ी संख्या 06261/06262 यशवंतपुर जं.- मुजफ्फरपुर जं.- बेंगलूरु छावनी एक्सप्रेस विशेष रेलगाड़ी

06261 यशवंतपुर जं.-मुजफ्फरपुर जं.			06262 मुजफ्फरपुर जं.-बेंगलूरु छावनी	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
--	--	बेंगलूरु छावनी	06:30(सोम.)	--
--	07:00(बुध)	यशवंतपुर जं.	--	--
00:10	00:15(शुक्र.)	प्रयागराज छिवकी	08:20	08:25
12:00(शुक्र.)	--	मुजफ्फरपुर जं.	--	23:45(शुक्र.)

यशवंतपुर जं.-मुजफ्फरपुर जं. सेः गाड़ी संख्या 06261, (बुधवार), दिनांक 22.10.2025, मुजफ्फरपुर जं.-बेंगलूरु छावनी सेः गाड़ी संख्या 06262, (शुक्रवार), दिनांक 24.10.2025
गाड़ी संरचनाः वातानुकूलित प्रथम श्रेणी- 01, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी-03, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी-01, स्लीपर श्रेणी-10, सामान्य श्रेणी-06

नोट- ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट www.railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे
North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR 1946/25(MG)

त्योहार विशेष रेलगाड़ियों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए दीपावली एवं छठ पूजा के शुभ अवसर पर निम्नलिखित त्योहार विशेष रेलगाड़ियों के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत है:-

01031/01032 छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस-बनारस-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस त्योहार विशेष रेलगाड़ी

01031 छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस - बनारस			01032 बनारस - छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
----	07:35	छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस	08:20	----
06:25	06:27	मानिकपुर जंक्शन	03:25	03:30
08:10	08:15	प्रयागराज छिवकी जं.	23:40	23:45
13:35	----	बनारस	----	16:00

• छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से – गाड़ी संख्या 01031 दिनांक 18.10.2025, 22.10.2025, 26.10.2025 एवं 30.10.2025 • बनारस से – गाड़ी संख्या 01032 दिनांक 19.10.2025, 23.10.2025, 27.10.2025 एवं 31.10.2025
• गाड़ी संरचना : वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी – 01, वातानुकूलित प्रथम सह द्वितीय श्रेणी – 01, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी – 18

09463/09464 अहमदाबाद जंक्शन-शेखपुरा जंक्शन-अहमदाबाद जंक्शन त्योहार विशेष रेलगाड़ी

09463 अहमदाबाद जं0-शेखपुरा जं0			09464 शेखपुरा जं0-अहमदाबाद जं0	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
----	15:20	अहमदाबाद जंक्शन	20:00	----
14:08	14:13	मानिकपुर जंक्शन	20:00	20:02
15:48	15:53	प्रयागराज छिवकी जं.	16:35	16:37
17:50	17:52	मिर्जापुर	15:30	15:32
04:00	----	शेखपुरा जंक्शन	----	06:30

• अहमदाबाद जंक्शन से – गाड़ी संख्या 09463 दिनांक 18.10.2025 (शनिवार) एवं 23.10.2025 (गुरुवार) • शेखपुरा जंक्शन से – गाड़ी संख्या 09464 दिनांक 20.10.2025 (सोमवार) एवं 25.10.2025 (शनिवार)
• गाड़ी संरचना : वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी – 01, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी – 04, स्लीपर श्रेणी – 11, सामान्य श्रेणी – 03

नोट : ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन नं0 139 या Railmadad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे
@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 1931/25 (C)

उत्तर मध्य रेलवे

पत्र सं 769/ई 2/पेंशन/पेंशन अदालत/2025 दिनांक : 16.10.2025

अधिसूचना

उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल द्वारा पेंशन अदालत दिसंबर-2025 का आयोजन

रेलवे बोर्ड के निर्देशानुसार उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल के "मंडल सभागार" डी आर एम ऑफिस प्रयागराज में दिनांक 15.12.2025 को 11:30 बजे पेंशन अदालत दिसंबर-2025 आयोजित की जाएगी। केवल उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल से सेवानिवृत्त कर्मचारी/मृतक कर्मचारियों के आश्रित, यदि उन्हें सेवानिवृत्त देय या पेंशन से सम्बंधित कोई शिकायत है तो वे अपना आवेदन मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय को निम्नलिखित माध्यमो से दिनांक 04.11.2025 तक भेज सकते हैं -

1. व्हाट्सएप के माध्यम से : अपने आवेदन पत्र व अन्य प्रपत्रों को स्कैन कर (जो स्पष्ट व पठनीय हो) मोबाइल नंबर 7979991479 (श्री आशीष कुमार सिंह, कार्यालय अधीक्षक/कार्मिक शाखा/प्रयागराज) पर भेजे। कृपया आवेदन पत्र में "पेंशन अदालत दिसंबर-2025" अवश्य अंकित करें।

2. ई-मेल के माध्यम से : अपने आवेदन पत्र व अन्य प्रपत्रों को स्कैन कर (जो स्पष्ट व पठनीय हो) ई-मेल आईडी aks_1986@gmail.com पर भेजें। कृपया आवेदन पत्र में "पेंशन अदालत दिसंबर-2025" अवश्य अंकित करें।

3. डाक के माध्यम से : अपने आवेदन पत्र व अन्य प्रपत्रों को डाक द्वारा वरि मंडल कार्मिक अधिकारी, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज, नवाब युसुफ रोड, सिविल लाइन्स, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश - 211001 के पते पर भेजे। कृपया लिफाफे के ऊपर एवं आवेदन पत्र पर "पेंशन अदालत दिसंबर-2025" अवश्य अंकित करें।

आवेदन-पत्र में निम्नलिखित विवरण अवश्य अंकित करें-

01. आवेदक/ आवेदिका का नाम
02. सेवानिवृत्त कर्मचारी का नाम
03. पदनाम एवं अन्तिम कार्यस्थल
04. सेवानिवृत्त कर्मचारी से आवेदक/ आवेदिका का सम्बन्ध
05. पत्राचार का पता
06. मोबाइल नंबर
07. सेवानिवृत्ति / मृत्यु की तिथि
08. सेवानिवृत्ति का प्रकार (अधिवर्षिता /स्वैच्छिक/अनिवार्य/ मृत्यु)
09. पीपीओ सं (छायाप्रति संलग्न करें)
10. अन्तिम वेतन एवं वेतनमान
11. शिकायत का विस्तृत विवरण

(रुपेश कुमार सुमन)
1935/25(AS) सहायक कार्मिक अधिकारी, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज
North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

सम्पादकीय.....

अंतहीन जन–अपेक्षाओं की कसौटी

पहली नजर में बड़े पद की चमक–दमक का अपना सम्मोहन होता है, लेकिन हकीकत में जिम्मेदारी–जवाबदेही व विपरीत चुनौतियों में सामंजस्य बैठाना कांटों का ताज पहनने जैसा ही होता है। अंतहीन जन–अपेक्षाओं की कसौटी पर खरा उतरना उतना ही कठिन होता है। वैसे किसी सत्ता का एक साल बहुत लंबी अवधि नहीं होती। उसके आधार पर अंतिम मूल्यांकन करना भी जल्दबाजी ही कही जाएगी, लेकिन इससे किसी नेतृत्व या सरकार की दिशा–दशा को बोध तो हो जाता है। कमोबेश, यह कसौटी हरियाणा में एक साल पूरा कर रही नायब सैनी सरकार के लिये भी है। सामाजिक न्याय के समीकरण संतुलन की कवायद के क्रम में भाजपा सरकार में मुख्यमंत्री पद तक पहुंचने वाले नायब सैनी की इस पद पर ताजपोशी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल की पसंद रही है। जब नरेंद्र मोदी चंडीगढ़–हरियाणा में संगठन का दायित्व निभा रहे थे, तो सैनी उनके कार्यालय सहयोगी थे। इस मायने में बिना राजनीतिक व समृद्ध आर्थिक पृष्ठभूमि के राज्य के मुख्यमंत्री पद तक पहुंचने को एक बड़ी कामयाबी कहा जा सकता है। उनके राजनीतिक विरोधी भी उनकी सदाबहार मुस्कान–विनोदप्रियता के कायल रहे हैं। वे विपक्षी दलों के वरिष्ठ नेताओं को सम्मान सार्वजनिक रूप से देते नजर आते हैं, लेकिन पिछले विधानसभा सत्र में मुद्दों पर विपक्षी नेताओं को आड़े हाथों लेने से भी वे नहीं चूके। वैसे तो उनके एक साल के कार्यकाल में कई चुनौतियां सामने आती–जाती रही हैं, लेकिन हाल ही में एडीजीपी वाई.पूरन कुमार व एएसआई संदीप लाठर की आत्महत्या ने सरकार के सामने असहज स्थिति व बड़ी चुनौती पेश की। हालांकि, देर से ही सही फौरी तौर पर मामले का पटाक्षेप हुआ, लेकिन इस दौरान मुख्यमंत्री ने मुद्दे की संवेदनशीलता को महसूस कर कदम बढ़ाए। एडीजीपी द्वारा आत्महत्या की खबर उन्हें जापान दौरे के दौरान मिली तो उन्होंने दौरे में शामिल उनकी पत्नी अमनीत को अधिकारियों के साथ तुरंत भारत भेजा। भारत आते ही खुद भी वे सीधे एडीजीपी के घर संवेदना व्यक्त करने पहुंचे, तो एएसआई संदीप लाठर के घर भी परिवार को संबल देने गए। बहरहाल, ट्रिपल इंजन सरकार का लाभ नायब सैनी को जरूर मिला है। कई विकास योजनाएं कायदे से सिरे चढ़ी हैं। लेकिन लाडो लक्ष्मी योजना ट्रंप कार्ड साबित हुई है। विधानसभा चुनावों में इस योजना के वायदे का छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र चुनावों की तर्ज पर हरियाणा में भी भाजपा को खासा लाभ मिला। मिले परिणामों ने तमाम कयासों को निरर्थक साबित किया। हर जरूरतमंद महिला को सरकार की तरफ से 21 सौ रुपये मिलना, उन्हें आर्थिक स्वावलंबन देना ही है। पहले चरण में बाइस लाख महिलाओं को इस योजना का लाभ मिलेगा। निस्संदेह, कमजोर वर्ग के लोगों के लिये अपनी छत का सपना पूरा करना एक दुष्कर कार्य है। हरियाणा सरकार ने दस हजार से अधिक आबादी वाले महाग्रामों में गरीबों को पचास–पचास गज व छोटे गांवों में सौ–सौ गज के प्लाट उपलब्ध कराये। शहरों में ये 25 गज के रहे। वहीं प्रधानमंत्री आवास निर्माण योजना के तहत मिलने वाले ढाई–ढाई लाख रुपये ने उनके घर के सपने को हकीकत बनाया। मुख्यमंत्री नायब सैनी की खासियत लोगों के साथ सहज उपलब्धता है। उनकी सुबह कबीर कुटीर में जन संवाद से शुरू होती है और रात फाइलों के साथ खत्म होती है। जनता के लिये सहज उपलब्धता और निरंतर संवाद लोकतंत्र की अपरिहार्य शर्त होती है। उनके चंडीगढ़ आवास में सुबह से ही मिलने वाले लोगों का तांता लगा रहता है। निस्संदेह, आम जन ही सरकार को बेहतर फीडबैक दे सकते हैं, जो नौकरशाही की जटिलताओं के चलते सहज अभिव्यक्ति नहीं दे पाते। बेरोजगारी की समस्या किसी भी सरकार के लिये बड़ी चुनौती होती है। राज्य में चौबीस हजार बेरोजगारों को ग्रुप सी की नौकरियां देना राज्य सरकार की उपलब्धि के तौर पर देखा गया। वहीं लोकसेवा आयोग के माध्यम से 1311 पदों पर चयन और एचकेआरएन पोर्टल को पारदर्शी भर्ती प्रणाली के रूप में विकसित करना, राज्य सरकार की रोजगार के साथ स्थायित्व की नीति का संकेत माना जा सकता है। विश्वास किया जाना चाहिए कि नायब सरकार आने वाले चार सालों में जनाकांक्षाओं की कसौटी पर पूरी तरह खरी उतर पाएगी।

दिवाली: प्रकाश, प्रेम और समृद्धि का महापर्व

डा. संगीता बनाफर

हम सभी जानते हैं कि दीपावली भारत का सबसे लोकप्रिय और महत्वपूर्ण त्योहार है। यह केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की आत्मा का उत्सव है। श्दीपावलीश शब्द श्दीपश (दीपक) और श्आवलीश (पंक्ति या श्रृंखला) से मिलकर बना है, जिसका शाब्दिक अर्थ है श्दीपकों की पंक्तिश। कार्तिक मास की अमावस्या को मनाया जाने वाला यह पर्व अंधकार पर प्रकाश की विजय, बुराई पर अच्छाई की जीत और अज्ञान पर ज्ञान के उदय का प्रतीक है।

दिवाली के पीछे कई पौराणिक कथाएँ और ऐतिहासिक घटनाएँ जुड़ी हुई हैं, जो इसे एक बहुआयामी पर्व बनाती हैंरू सबसे प्रचलित कथा के अनुसार, इसी दिन भगवान श्री राम लंका के राजा रावण का वध कर और 14 वर्ष का वनवास पूरा करके पत्नी सीता और भाई लक्ष्मण के साथ अयोध्या लौटे थे। उनके आगमन की ख्शी मेंअयोध्यावासियों ने घी के असंख्य दीपक जलाकर पूरी नगरी को प्रकाशित कर दिया था, तभी से यह दीपोत्सव मनाया जाने लगा।

साथ ही माना जाता है कि कार्तिक अमावस्या के दिन ही धन और समृद्धि की देवी, माता लक्ष्मी, क्षीर सागर के मंथन से प्रकट हुई थीं। इसलिए इस दिन सुख–समृद्धि की कामना के लिए माँ लक्ष्मी और विघ्नहर्ता भगवान गणेश की विशेष पूजा की जाती है।

दक्षिण भारत में, यह पर्व भगवान कृष्ण द्वारा राक्षस नरकासुर का वध करने की खुशी में भी मनाया जाता है, जिसे नरक चतुर्दशी (छोटी दिवाली) के रूप में जाना जाता है।

इतिहास में यह भी उल्लेख मिलता है कि महान सम्राट विक्रमादित्य का राज्याभिषेक भी दीपावली के दिन ही हुआ था।

दिवाली का पर्व वास्तव में पाँच दिनों तक चलता है, जिनमें से प्रत्येक दिन का अपना आध्यात्मिक महत्व है,

धनतेरसरू यह पर्व कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी को मनाया जाता है। इस दिन भगवान धन्वंतरि और माँ लक्ष्मी की पूजा होती है। इस दिन धातु खरीदना शुभ माना जाता है, जो स्थायित्व और समृद्धि का प्रतीक है।

नरक चतुर्दशी (छोटी दिवाली)रू इस दिन अहंकार, आलस्य और अज्ञान के नाश का प्रतीक मानते हुए सुबह तेल स्नान और दीपदान किया जाता है।दीपावली (मुख्य पर्व) रू कार्तिक अमावस्या को मनाए जाने वाले इस मुख्य दिन पर लक्ष्मी–गणेश की पूजा की जाती है और घर–आंगन को दीपों से जगमग किया जाता है।

गोवर्धन पूजा–यह दिन भगवान कृष्ण द्वारा गोवर्धन पर्वत उठाने की घटना को समर्पित है और उसके बाद भाई दूज –यह पर्व भाई–बहन के अटूट प्रेम और स्नेह का प्रतीक है, जिस दिन बहनें अपने भाइयों के तिलक लगाकर उनके कल्याण की कामना करती हैं।

दिवाली केवल पूजा–अर्चना का त्योहार नहीं है, यह सामाजिक सद्भाव और मिलन का भी पर्व है।

माना जाता है कि माँ लक्ष्मी इस दिन प्रसन्न होकर घर में प्रवेश करती है इसलिए हम घर को स्वच्छ करके करके सुंदर सजाते हैं, आपसी मतभेद भुलाकर एक–दूसरे के घर जाते हैं, मिठाइयाँ और उपहार बाँटते हैं, जिससे रिश्तों में मिठास और स्नेह बढ़ता है।

आर्थिक महत्वरू धनतेरस पर होने वाली खरीदारी से बाजार गुलजार होते हैं और देश की अर्थव्यवस्था को बल मिलता है। यह व्यापारी वर्ग और कारीगरों की आजीविका में भी वृद्धि करता है।

आज के समय में, दिवाली मनाने के तरीके में एक सार्थक बदलाव की जरूरत है। पटाखों के अत्यधिक उपयोग से होने वाले वायु और ध्वनि प्रदूषण को देखते हुए, अब श्ग्रीन दिवालीश मनाने की मांग बढ़ रही है।

सच्ची दिवाली पटाखों के शोर में नहीं, बल्कि प्रेम और मानवता के दीप जलाने में है। हमें इस पर्व पर यह संकल्प लेना चाहिए कि हम केवल अपने घर को ही नहीं, बल्कि अपने आस–पास के जीवन को भी रोशन करेंगे। किसी जरूरतमंद के चेहरे पर मुस्कान लाना, किसी अनाथालय या वृद्धाश्रम में खुशियां बाँटनाकृ यही दिवाली की वास्तविक भावना है।

दिवाली हमें सिखाती है कि हमारे भीतर छिपा ज्ञान का प्रकाश ही हमें जीवन की हर अमावस्या (अंधकार) से बाहर निकाल सकता है। आइए, इस दीपोत्सव पर हम बाहरी अंधकार के साथ–साथ अपने मन के अज्ञान, द्वेष और आलस्य को भी जलाकर, एक उज्जवल और प्रेमपूर्ण समाज की ओर कदम बढ़ाएँ।

दीपावली, जिसे दीपोत्सव भी कहा जाता है, केवल एक धार्मिक त्योहार नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक और आर्थिक चेतना का प्रतीक है। यह पर्व जहाँ एक ओर घरों में खुशियों और समृद्धि का द्वार खोलता है, वहीं दूसरी ओर स्थानीय प्रशासन के लिए स्वच्छता, सुरक्षा और व्यवस्था बनाए रखने की एक बड़ी जिम्मेदारी भी लेकर आता है। इस वर्ष, हम सभी को मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि रोशनी का यह त्योहार श्उत्सव के साथ जिम्मेदारीश की भावना से मनाया जाए।

पिछले कुछ वर्षों में, दिवाली के बाद वायु प्रदूषण का स्तर चिंतनीय रूप से बढ़ा है। यह न केवल नागरिकों के स्वास्थ्य, विशेषकर बच्चों और बुजुर्गों के लिए, खतरा है, बल्कि यह हमारे शहर की छवि को भी प्रभावित करता है।

प्रशासन ध्वनि और वायु प्रदूषण फैलाने वाले पटाखों की बिक्री और उपयोग पर लगाए गए प्रतिबंधों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करें। सोशल मीडिया और स्थानीय माध्यमों से श्ग्रीन दिवालीश और श्पटाखों से परहेजश के संदेश को प्रभावी ढंग से प्रसारित किया जाए सार्वजनिक स्थानों पर कम प्रदूषणकारी प्रकाश प्रदर्शन या सांस्कृतिक कार्यक्रमों को बढ़ावा दिया जाए, ताकि लोगों को उत्सव मनाने का एक स्वच्छ विकल्प मिल सके।

दिवाली के बाद सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर बड़ी मात्रा में कचरा, विशेषकर पटाखे के अवशेष और पूजन सामग्री का ढेर लग जाता है। संग्रहण और निपटान के लिए नगर निगम/पालिका को एक विशेष और त्वरित सफाई अभियान चलाना चाहिए।

त्योहार के दौरान बाजारों में भारी भीड़, देर रात तक पटाखों का चलना और सड़कों पर वाहनों की आवाजाही सुरक्षा और यातायात प्रबंधन के लिए चुनौती पैदा करती है। पटाखों से आग लगने का डर भी रहता है इसलिए प्रशासन को सभी प्रमुख क्षेत्रों और भीड़–भाड़ वाले बाजारों में अग्निशमन दल को अलर्ट मोड पर रखना चाहिए। संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी करने के लिए अस्थायी पुलिस चौकियाँ स्थापित की जाएँ और महिला पुलिसकर्मियों की तैनाती सुनिश्चित की जाए।

दिवाली हमें अंधकार पर प्रकाश की विजय का संदेश देती है। इस वर्ष, प्रशासन को चाहिए कि वह अपनी नीतियों और क्रियान्वयन से अव्यवस्था और प्रदूषण रूपी अंधकार को दूर करे। वहीं, नागरिकों का भी यह दायित्व है कि वे नियमों का पालन करें, अपने आस–पड़ोस की चिंता करें और सामुदायिक सद्भाव बनाए रखें।

यह त्योहार तभी सही मायने में सफल होगा, जब हम सब मिलकर इसे सुरक्षित, स्वच्छ और समावेशी बनाएंगे। आइए, इस दिवाली, अपने दीपों से हम केवल अपने घर नहीं, बल्कि पूरे समाज को प्रकाशित करने का संकल्प लें। हमारा त्योहार तभी पूरा होगा, जब कोई कोना अँधेरा न रहे।

कहानी दीपक की

कितना आसान लगता है। जब अन्धकार होते ही लाइट का स्विच ऑन किया और बल्ब या ट्यूब लाइट जल गई। बल्ब के जलते ही पूरे कमरे में प्रकाश भर गया। इस प्रकाश में हम सूर्य के अस्त होने पर भी वह सभी काम कर लेते हैं,जो सूर्य के उदय होने पर करते हैं। त्योहारों में ख़ासतौर से दीपावली में छोटे–छोटे बल्ब के झालर सूर्य के ढलते ही जब जलते हैं, तब ऐसा आभास होता है कि मानो आकाश के तारे ज़मीं पर उतर आए हैं। दीपावली के त्योहार पर आज भी इन झालरों के बीच में मिट्टी का दीपक अन्धकार में अपने प्रकाश के द्वारा उजाला भरते हुए, सूर्य को दिये गयेवचन के पालन का निर्वहन करते हुए दिखाई देते हैं। अब आप सोच रहे होंगे कि दीपक ने सूर्य को क्या वचन दिया था। आइए, आपको उस किस्से से रूबरू कराते हुए, उदय होने की दास्तां बताते हैं, जो बड़े बुजुर्गों के द्वारा सुनाई जाती रही है।

कहा जाता है कि सूर्य के जन्म के पूर्व संसार में चारो ओर अन्धेरा ही अँधेरा था। इस अन्धेरे में जब सूर्य का जन्म हुआ, उस समय उसके प्रकाश से पूरा संसार उजाले से भर गया। सूर्य को अपने इस कृत्य पर बहुत हर्ष हुआ कि उसके कारण आलोकित है। लेकिन यह हर्ष उसका बहुत देर तक नहीं रह सका। यह सोचकर परेशान होने लगा कि जैसे–जैसे उसके अस्त होने का समय करीब आता जाएगा, वैसे–वैसे अन्धकार अपना पैर पसारता जाएगा अर्थात पूरी दुनिया में अन्धकार फैल जाएगा।इस अंधकार में संसार के प्रणियों को कौन राह दिखाएगा? उसकी यह परेशानी नन्हें दीपक से नहीं देखी गई। नन्हें दीपक ने सूर्य को नमन करते हुए कहा कि चिन्तित नहीं हों, वह उनकी परेशानी को दूर करेगा। सूर्य ने दीपक के आकार को देखते हुए उससे कहा कि वह अपने छोटे आकार से कैसे अन्धकार का सामना कर पाएगा। नन्हें दीपक ने सूर्य की बात को सुनकर बहुत ही विनम्रतापूर्वक कहा कि यह सत्य है, वह उनके जैसा विशाल और प्रकाशवान भी नहीं हैं लेकिन अति छोटा होने पर भी प्रातःकाल तक अर्थात उसके उदय होने तक वह अपने पूरे सामर्थ्य के साथ संसार में प्रकाश देने का प्रयत्न करता रहेगा। सूर्य ने दीपक की बात सुनी, उसे लगा कि दीपक दीपक

जो कुछ भी कह रहा है, उसे पूर्णतः अमल करेगा। यह विश्वास होते सूर्य ने संतोष की साँस और अस्त हो गया। सूर्य से किए गए वादे को दीपक आज भी ईमानदारी के साथ निभा रहा है। यह सत्य है कि विज्ञान के दौर में उसने अपना कलेवर बल्ब और ट्यूबलाइट में बदल लिया है, फिर भी त्योहारों खासतौर से दीपावली पर यह अपने मूल रूप में लोगों के बीच आकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराता रहता है।

दीपावली के त्योहार पर गली–मुहल्लों, गाँव –शहर में झिलमिल –झिलमिल करते हुए सितारों की तरह चमकते दीपक के सौन्दर्य की अद्भुत छटा देखकर इसकी जीवन–यात्रा को जानने के लिए हर जिज्ञासु का मन करता है। आइए, जानते हैं कि नन्हें दीपक का उदय कब कैसे और कहाँ हुआ? दीपक के संदर्भ में मनीषियों का कहना है कि प्राचीन समय में जब मानव ने अग्नि की खोज की होगी उसी वक्त दीपक अस्तित्व में आए होंगे। पत्थरों के युग में (जिसे पाषाणयुग या पत्थरकालीन कहा जाता है) मानव ने सबसे पहले दीपक को खोखले पत्थर से बनाया। खोखले पत्थरों में वृक्षों की पतली नर्म छालों को रस्सी की भाँति बँटकर बाती बनाई जो जलने पर अपनी रोशनी से अन्धकार में प्रकाश भरते थे। इस यात्रा के अगले पायदान में मानव ने पत्थर और पत्थर की चट्टानों को खोदकर दीये बनाना आरम्भ किया। पत्थरों के दीयों के पश्चात् सीप और शंख अस्तित्व में आए। दीपक का आकार बदलता रहा। वृक्ष की छाल बत्ती बनकर प्रकाश देने का काम करती रही। धीरे–धीरे मानव ने मिट्टी के दीपक बनाने की कला सीख ली। दीपक की यात्रा यहीं नहीं रुकी बल्कि उसके कदम धातु की खोज की ओर बढ़ चले थे। जैसे–जैसे सोना, चाँदी, ताँबा और पीतल आदिक धातुओं के पिघलाने की कला मानव निपुण होता गया, वैसे–वैसे दीपक सोने, चाँदी, ताँबा और पीतल के भी दिखाई देने लगे, जिसमें पीतल के दीपक अन्य धातुओं से अधिक लोकप्रिय हुए लेकिन मिट्टी के दीपक की लोकप्रियता पर इसका कोई भी प्रभाव दिखाई नहीं देता।

दीपक का जन्म सूर्य के अस्त होने पर अपने प्रकाश से ज़मीं पर फैले अन्धेरे में उजाला भरना है लेकिन कालान्तर में मानव ने इसे कलात्मक एवं अपनी सुविधानुसार एकमुखी से बहुमुखी के साथ–साथ पशु–पक्षियों व अपसराओं के रूप में ढालकर नए–नए आकार–प्रकार में प्रस्तुत किया। जब दीपक के सैकड़ो आकार–प्रकार सामने आ गए तब इनका सुचारु रूप उपयोगिता के लिए 'दीपशास्त्रश भी लिख दिया। यही कारण है कि वर्तमान में भले ही दीपकों का स्थान मोमबत्ती और कलात्मक विद्युत बल्बों ने ले लिया हो लेकिन प्रकृति से आत्मा का तादात्म स्थापित करने वाली भावना के प्रतीक दीपक हर शुभ कार्यों में अपनी उपस्थित दर्ज करा उत्सव की पूरी गरिमा बढ़ाते हैं।

जोहो से फायदा या उलझन

अरुण श्रीवास्तव

इस साल लाल किले से भाषण देते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वदेशी अपनाने पर जोर दिया। इसके बाद कई और मंचों से उन्होंने यही आग्रह किया कि हमें आत्मनिर्भर होना है तो विदेशी वस्तुओं का त्याग करना पड़ेगा। हालांकि यह त्याग केवल वस्तुओं तक सीमित नहीं रहा, अब तकनीकी में भी स्वदेशी पर जोर दिया जा रहा है। हाल ही में गृहमंत्री अमित शाह ने जानकारी दी कि उनका ईमेल अब जोहो पर शिफ्ट हो गया है। उनके अलावा कई और केन्द्रीय मंत्री और केन्द्रीय एजेंसियों के करीब 12 लाख कर्मचारियों के ईमेल सरकारी एनआईसी. इन से हटाकर प्राइवेट कंपनी जोहो पर शिफ्ट हो गये। इसमें प्रधानमंत्री कार्यालय भी शामिल है। डोमेन तो एनआईसी.इन या जीओवी.इन ही है, लेकिन स्टोरेज, एक्सेस और प्रोसेसिंग सब जोहो के जिम्मे रहेगा। हाल ही में शिक्षा मंत्रालय ने 3 अक्टूबर 2025 को आदेश जारी किया कि जोहो सूट का इस्तेमाल करो। तकनीकी में स्वदेशी का इस्तेमाल खुशी की बात है। दिवंगत प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने इस दिशा में अनुकरणीय काम किया है। और उनसे भी पहले 1976 में, जिस साल को केवल आपातकाल के लिए याद किया जाता है, प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने नेशनल इनफॉर्मेटिक्स सेंटर (एनआईसी) की स्थापना की थी, जो डिजिटल इंडिया और ई–गवर्नेंस का आधार बनी। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अधीन एनआईसी भारत सरकार का प्रमुख आई टी संगठन है। एनआईसी ने डिजिटल क्रांति को संभव बनाया, लेकिन क्या अब इसे भी स्वदेशी के नाम पर तिलांजलि दी जा रही है, जबकि यह सच्चा स्वदेशी है। क्योंकि यह सरकारी उपक्रम है। जबकि जोहो एक निजी उपक्रम है, गूगल की तरह ही अगर सरकार को लगता है कि गूगल पर सब कुछ उपलब्ध होने से निजता का खतरा रहेगा, तो जोहो के साथ भी वही खतरा बरकरार रहेगा। बता दें कि 2022 में हैकर्स ने एम्स के 5 सर्वर और 1.3 टीबी से ज्यादा डेटा पर कब्जा कर लिया था। इससे सरकार को काफी नुकसान हुआ। तभी यह बात चली कि स्वदेशी संचार तंत्र होता तो ऐसा नहीं होता। इसके बाद स्वदेशी संचार तंत्र की तलाश में 2023 में केंद्रीय सूचना मंत्रालय ने सुरक्षित मेल सेवाएं देने के लिए टेंडर निकाले। टेंडर जोहो मेल ने जीता। नेशनल इंफॉर्मेटिक सेंटर ने 20 गोपनीय सुरक्षा मापदंडों पर जोहो मेल का ऑडिट किया। भारतीय कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया दल जैसी सुरक्षा एजेंसियों ने जोहो की स्वतंत्र सुरक्षा जांच की। इसके बाद जोहो पर भरोसा किया गया। 2023 में डिजिटल इंडिया कॉर्पोरेशन के साथ 7 साल के अनुबंध बाद एनआईसी के डोमेन से पीएमओ समेत सभी सरकारी ईमेल जोहो पर चले गए। इसका मतलब है कि सरकारी फाइल्स और दस्तावेजों तक अब जोहो की पहुंच है। सरकार स्वदेशी की बात तो करती है लेकिन सॉफ्टवेयर की निजी कंपनी में स्वदेशी और परदेशी के बीच की जो महीन रेखा है, वो कब पार हो जाएगी, पता भी नहीं चलेगा। वैसे 1996 में बने जोहो कॉर्पोरेशन के कर्ताधर्ता श्रीधर वेम्बू की सरकार से नजदीकी छिपी हुई नहीं है। वे काफी हद तक संघ की विचारधारा के करीब हैं, हालांकि वे इसे स्वीकार नहीं करते हैं। कुछ समय पहले नंगे पैर चलने के स्वास्थ्य लाभ बताने वाली उनकी एक पोस्ट पर आलोचना हुई तो उन्होंने कहा था कि उन्हें संघी कहकर भी आलोचना की जाती है। ध्यान देने वाली बात ये है कि 22 नवंबर 2024 को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के 70वें राष्ट्रीय अधिवेशन में वेम्बू मुख्य अतिथि थे जो गोरखपुर में पंडित दीनदयाल उपाध्याय यूनिवर्सिटी में आयोजित था। वे इससे पहले चेन्नई में एबीवीपी संगमम में भी शामिल हुए थे। फरवरी 2019 में वेम्बू चेन्नई के आरएसएस आयोजन में मुख्य अतिथि थे। मोदी सरकार ने 2021 में वेम्बू को पद्मश्री से सम्मानित किया था। इसी साल वे अजीत डोभाल के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड में सदस्य बने और 2024 में यूजीसी के सदस्य बने। यह अघोषित तौर पर समझी हुई बात है कि मोदी सरकार में इस तरह की नियुक्तियां या सम्मान किन लोगों के हिस्से आता है। इसलिए जोहो पर सरकार की इतनी मेहरबानी पर अब सवाल उठ रहे हैं कि क्या जोहो की आड़ में संघ की पूरी पहुंच देश से जुड़े संवेदनशील डेटा तक बना दी गई है। बता दें कि हाल ही में जोहो ने व्हाट्सऐप जैसा अरात्ती मैसेंजर लॉन्च किया है, तमिल में अरात्ती का मतलब बातचीत होता है। पहल अच्छी है, लेकिन निजता का सवाल उलझा हुआ है। सोशल मीडिया पर एक टिप्पणी थी कि सिंगल टिक यानी संदेश भेजना, डबल टिक यानी मैसेज पहुंचना और अमित शाह की तस्वीर यानी मैसेज का पढ़ा जाना। याद रहे कि व्हॉट्सऐप पर मैसेज पढ़ने पर नीले टिक का प्रावधान है, लेकिन अरात्ती पर अमित शाह की तस्वीर का तंज कसकर आगाह किया गया कि आपके सारे संदेश यहां पढ़े जाएंगे। जोहो की काबिलियत और क्षमता पर तकनीकी जानकार ही बेहतर बता सकेंगे कि क्या गूगल का मुकाबला वह कर सकता है या नहीं, लेकिन यहां काबिलियत से भी गंभीर सवाल नीयत का उठता है। क्योंकि मोदी सरकार पर अक्सर आरोप लगते हैं कि सरकार की आलोचना या नरेन्द्र मोदी पर की गई कोई भी टिप्पणी सीधे देश विरोध से जोड़ दी जाती है। संसद में विपक्ष के माइक बंद करने के आरोप लगते हैं और बाहर मीडिया को जेब में रखने के। ऐसे में जिस कंपनी का कर्ता धर्ता राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड में हो, क्या वह अपने उपभोक्ताओं से ज्यादा सरकार का ख्याल नहीं रखेगी। और जहां तक स्वदेशी की बात है तो कुछ साल पहले ट्विटर के मुकाबले कू को विकल्प बनाने की कोशिश की गयी थी, लेकिन दक्षिणपंथियों का उसकी तरफ रुझान देखकर बहुत से लोग वहां नहीं गए। कू की कूक अब सुनाई नहीं देती। जोहो का भविष्य क्या होगा या जोहो के साथ देश का भविष्य क्या होगा, यह एक नया सवाल खड़ा हो गया है।

मालती चाहर

सबका खेल पता है, इस कंटेस्टेंट को बताया बड़ा प्रतिद्वंदी

मालती चाहर बिग बॉस 19 के घर में पहुंची हैं। अब मालती ने इससे पहले बिग बॉस को लेकर अपने गेम प्लान और आगामी योजना के बारे में बताया। श्बिग बॉस 19श में वाइल्ड कार्ड एंट्री लेने वाली मालती चाहर ने आते ही घर का माहौल पूरी तरह बदल दिया है। क्रिकेटर दीपक चाहर की बहन और मॉडल. एक्ट्रेस मालती ने कहा कि वह घर में किसी से डरने नहीं आई हैं। उनका कहना है कि वह पहले से ही घर के सभी कंटेस्टेंट का गेम जानती हैं और बाहर से रिसर्च करके आई हैं। अमर उजाला से खास बातचीत में मालती ने कहा कि उनका गेम प्लान बिल्कुल स्पष्ट है।

मुझे सबका गेम और पर्सनालिटी पता है

मालती ने वाइल्ड कार्ड एंट्री के फायदे और नुकसान के बारे में कहा, श्जब लोग घर में गए थे, तो वे एक–दूसरे को नहीं जानते थे। बस कहानियों और इंटरव्यू के जरिए एक–दूसरे को समझते थे कि कौन कौन सा प्लेयर है? मैं बाहर से सब देख चुकी हूं। कई लोग झूठ बोल रहे हैं, कई लोग अपनी इमेज बना रहे हैं। कई लोग फेक कहानी गढ़ रहे हैं। मुझे सबका अंदाजा पहले से है। लेकिन घर में लोग पहले से अपनी जगह बना चुके हैं। ऑडियंस के दिलों में उनकी जगह बन चुकी है। अब मुझे घर में भी जगह बनानी है और बाहर लोगों के दिलों में भी अपनी असली पहचान बनानी है।श

अमाल मलिक मेरे सबसे बड़े कॉम्पेटिटर हैं

मालती ने कहा कि मुझे लगता है अमाल मेरे सबसे बड़े कॉम्पेटिटर हैं। वह पहले से जाना–पहचाना नाम हैं और लोग उन्हें जानते हैं। कंटेंट क्रिएशन में वह बहुत अच्छे हैं और फैंस उनके गेम को पसंद करते हैं। मेरा और उनका गेम टकराने वाला है और यही असली मुकाबला होगा। मुझे चुनौती लेना पसंद है। वह मेरे लिए सबसे बड़ी चुनौती साबित होंगे।

सेफ खेलना क्या होता है?

घर में सेफ खेलने वाले कंटेस्टेंट्स के लिए मालती ने साफ कहा कि जैसे गौरव खन्ना और मृदुल, हर हफ्ते कहा जाता है कि तुम लोग बहुत सेफ खेल रहे हो। कोशिश तो करते हैं, लेकिन मजा नहीं आता। गेम में थोड़ी आग और ड्रामा होना चाहिए। अगर कोई हमेशा सेफ खेलने की कोशिश करेगा, तो शो बोरिंग हो जाएगा। मैं चाहती हूं कि खेल में रोमांच और ड्रामा रहे। अगर कोई इसे रोकने की कोशिश करेगा, तो मैं खुद बीच में आकर उसे चुनौती दूंगी।

अगर लोग लड़ते हैं, तो मैं बीच में उतर जाऊंगी

फिजिकल या हीटेड फाइट्स के दौरान मालती ने कहा, श्अगर लोग लड़ते हैं, तो मैं सबसे पहले रोकने की कोशिश करूंगी। अगर बात हाथापाई तक बढ़ गई, तो मैं बीच में उतर जाउंगी। मैं डटकर खड़ी रहूंगी और पूरी ताकत से कोशिश करूंगी कि हालात नियंत्रण में रहें। मैं डरूंगी नहीं और पीछे हटूंगी नहीं। जरूरत पड़ी तो मैं बीच में उतरकर स्थिति को काबू में लाऊंगी।श

मुझे सलमान का स्टाइल और कंट्रोल बहुत पसंद है

सलमान खान के होस्टिंग स्टाइल पर मालती का कहना है कि मुझे तो उनका जॉब पसंद है। सेट पर आकर लोगों को डांटना और फिर तारीफ कर देना। मैं उनका स्टाइल और कंट्रोल बहुत पसंद करती हूं। इसे देखकर मैं सीखती हूं कि गेम को कैसे मैनेज करना है और खुद को कैसे संभालना है।

ओवररिएक्ट नहीं करूंगी, लेकिन अपने बचाव में जवाब दूंगी

वीकेंड का वार में अगर सलमान उन्हें डांटते हैं, इस पर मालती ने कहा, श्अगर सलमान मुझे वीकेंड के वार में सार्वजनिक रूप से डांटेंगे, तो मैं पहले सुनूंगी कि उन्होंने क्या कहा। फिर शांति से जवाब दूंगी। गेम के दौरान मैं पल.भर में तय करुंगी कि कितना बोलना है और कितना चुप रहना है। ओवररिएक्ट नहीं करूंगी। लेकिन अपने बचाव में जवाब दूंगी।श

झूठ बोलकर मैं अपने आप को नहीं बदलूंगी

मालती ने अपने गेम और ईमानदारी के बारे में कहा कि अगर मुझे डिप्लोमैटिक और सेफ खेलना पड़े तो मैं करूंगी, लेकिन झूठ नहीं बोलूंगी। सच बोलना मेरा व्यवहार है। झूठ बोलकर मैं अपने आप को नहीं बदलूंगी। यही मेरी सबसे बड़ी स्ट्रैटेजी है।

मेरा गेम मेरा खुद का रहेगा

भाई दीपक चाहर के शो में आने पर मालती ने कहा कि फैमिली का हिस्सा हैं, लेकिन बिग बॉस पर्सनैलिटी शो है। मैं अपने बारे में बोलूंगी, फैमिली के बारे में भी बोलूंगी। दीपक का होना मदद करेगा, लेकिन मेरा गेम मेरा खुद का रहेगा। लोग मुझे दीपक की बहन के रूप में जानेंगे। लेकिन मैं चाहती हूं कि लोग मुझे श्मालती चाहरश के नाम से जानें। घर में अपनी जगह बनाऊंगी और बाहर लोगों के दिलों में भी अपनी अलग पहचान बनाऊंगी।

हर टास्क को मैं कहानी की तरह देखूंगी

मालती ने अपनी पर्सनल स्किल्स के बारे में कहा, श्मैं खुद कहानियां बनाती हूं और उन्हें डायरेक्ट भी करती हूं। बिग बॉस में यही मेरी सबसे बड़ी ताकत होगी। हर टास्क को मैं सिर्फ पूरा नहीं करुंगी। उसे कहानी की तरह देखूंगी और अपने अंदाज में निभाऊंगी। इससे मैं गेम में अलग दिखूंगी और लोगों को एंटरटेन भी करुंगी। यह मेरी स्ट्रैटेजी है – गेम को समझना और उसे अपने तरीके से खेलना।श

अब मेरी बारी है कि मैं अपनी कहानी लिखूं

मालती ने अंत में कहा कि मैं सबका गेम देख चुकी हूं। अब मेरी बारी है कि मैं अपनी कहानी लिखूं। हर टास्क, हर ड्रामा, हर कंट्रोवर्सी मैं निभाऊंगी। बिग बॉस के घर की कहानी अब मेरी होगी।

सुपरस्टार महेश बाबू आज करेंगे `जटाधारा' का धमाकेदार ट्रेलर रिलीज

साल की सबसे चर्चित फिल्मों में से एक 'जटाधारा' को लेकर दर्शकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। इसी बीच जी स्टूडियोज और प्रेरणा अरोड़ा ने फिल्म का शानदार मोशन पोस्टर जारी करते हुए घोषणा की है कि इसका ऑफिशियल ट्रेलर 17 अक्टूबर को लॉन्च किया जाएगा, जिसे सुपरस्टार महेश बाबू हैदराबाद में रिलीज करेंगे। गौरतलब है की हाल ही में रिलीज हुई रहस्यमयी, शक्तिशाली और बेहद प्रभावशाली मोशन पोस्टर अपने आप में एक विजुअल स्टॉर्म है, जिसमें सोनाक्षी सिन्हा अपने अब तक के सबसे बोल्ड और दमदार अवतार में नजर आ रही हैं। फिलहाल सोनाक्षी जहां प्रखर ऊर्जा से भरपूर, दिव्यता और शक्ति का संगम लग रही हैं, वहीं सुधीर बाबू अपनी तराशी हुई बॉडी, पैनी नजर और त्रिशूल के साथ अच्छाई और बुराई के अनंत संघर्ष का प्रतीक नजर आते हैं। जी स्टूडियोज और प्रेरणा अरोड़ा द्वारा प्रस्तुत 'जटाधारा' एक द्विभाषी सुपरनैचुरल फैंटेसी थ्रिलर है, जो पौराणिक कथाओं, आस्था और लोककथाओं को एक अद्भुत सिनेमाई अनुभव में पिरोती है। फिल्म के निर्माता हैं उमेश कुमार बंसल, शिविन नारंग, अरुणा अग्रवाल, प्रेरणा अरोड़ा, शिल्पा सिंघल और निखिल नंदा, जबकि अक्षय केजरीवाल और कुसुम अरोड़ा सह–निर्माता हैं। दिव्या विजय क्रिएटिव प्रोड्यूसर और भाविनी गोस्वामी सुपरवाइजिंग प्रोड्यूसर हैं। फिल्म में मुख्य भूमिकाओं में सुधीर बाबू और सोनाक्षी सिन्हा के साथ दिव्या खोसला, शिल्पा शिरोडकर, इंदिरा कृष्णा, रवि प्रकाश, नवीन नेनी, रोहित पाठक, झांसी, राजीव कनकला और सुभलेखा सुधाकर जैसे शानदार कलाकार भी अहम भूमिकाओं में हैं। साथ ही साथ ही जी म्यूजिक कंपनी के साउंडट्रैक से सजी फिल्म जटाधारा सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि आस्था, नियति और प्रकाश–अंधकार के अनंत युद्ध की एक महागाथा है, जो 7 नवंबर 2025 को हिंदी और तेलुगु में देश भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

सैयारा फेम अनीत पड्डा अपने एक पुराने वीडियो की वजह से परेशानी में घिरती नजर आ रही हैं। उनकी परेशानी की वजह उर्दू की फेमस कविता लब पे आती है दुआ है। पुराने वायरल वीडियो में एक्ट्रेस मशहूर कवि मोहम्मद इकबाल के इस कविता को रैप स्टाइल में गाते नजर आ रही हैं, जिस पर सोशल मीडिया यूजर्स मुसलमानों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप लगा रहे हैं। फिल्म और अपनी सादगी के लिए अब तक सुर्खियों बटोरने वाली अनीत पहली बार ट्रोलर्स के निशाने पर हैं। एक यूजर ने अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए लिखा– दुनिया में गाने कम पड़ रहे थे क्या जो नाट पर नाच रही हो। एक दूसरे यूजर ने लिखा– श्इस एक्ट से निराशा हुई। एक अन्य यूजर ने लिखा–श्अनीत इस तरह का बिहेवियर आपको सूट नहीं करता है।श 'सैयारा' से रातों रात स्टार बनने वाली अनीत की वर्क फ्रंट की बात करें तो जल्द एक और लव स्टोरी में नजर आएंगी। श्बैंड बाजा बारातश फेम डायरेक्टर मनीष शर्मा अनीत को लेकर एक रोमांटिक फिल्म बनाने वाले हैं। अनीत की इस फिल्म को यशराज फिल्म्स ही प्रोड्यूस करेगी। मीडिया रिपोर्ट्स की माने तो अनीत को उनकी नई फिल्म के लिए कास्ट कर लिया गया है। मिड डे की रिपोर्ट के मुताबिक, इस फिल्म के प्री–प्रोडक्शन काम भी शुरू हो चुका है। अनीत को ये रोमांटिक फिल्म पंजाब पर आध ाारित होगी। वहीं, फिल्म की शूटिंग साल 2026 की पहली छमाही में शुरू की जाएगी। फिल्म में अनीत के अपोजिट कौन होगा, इसे लेकर कोई जानकारी फिलहाल सामने नहीं आई है।

माहिका शर्मा अपनी दिलकश अदाओं और स्टाइलिश तस्वीरों से सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं. हाल ही में एक वीडियो वायरल हुआ है, जहां वह क्रिकेटर हार्दिक पांड्या के संग एयरपोर्ट पर नजर आई हैं. फैंस का कहना है कि दोनों एक–दूसरे को डेट कर रहे हैं. हाल ही में टीवी एक्ट्रेस और मॉडल माहिका शर्मा फिर से सुर्खियों में आ गई हैं. वजह है उनका नाम इंडियन क्रिकेटर हार्दिक पांड्या से जुड़ना. आपको बता दें कि माहिका शर्मा एक मॉडल और एक्ट्रेस हैं. वह इंस्टाग्राम पर फैशन और फिटनेस कंटेंट शेयर करती हैं. माहिका ने अपनी स्कूली पढ़ाई दिल्ली से पूरी की. इसके बाद उन्होंने इकोनॉमिक्स और फाइनेंस की पढ़ाई की. पढ़ाई पूरी करने के बाद माहिका ने कई जगह इंटर्नशिप की. इसके बाद उन्होंने मॉडलिंग और एक्टिंग की तरफ कदम बढ़ाया. माहिका ने फ्रीलांसर के तौर पर अपने करियर की शुरुआत की. वह रैपर रागा के एक म्यूजिक वीडियो में नजर आईं इसके बाद उन्होंने फिल्मों में कई छोटे रोल निभाए. वह 'इनटू द डस्क' और उमंग कुमार की फिल्म 'पीएम नरेंद्र मोदी' (2019) में नजर आ चुकी हैं. माहिका ने कई फेमस फैशन डिजाइनर के लिए वॉक किया है. इनमें तरुण तहिलियानी, मनीष मल्होत्रा, अनीता डोंगरे, रितु कुमार और अमित अग्रवाल शामिल हैं. 24 साल की माहिका शर्मा को 2024 के इंडियन फैशन अवार्ड्स में मॉडल ऑफ द ईयर (न्यू एज) का अवॉर्ड भी मिला. हार्दिक और माहिका तब चर्चा में आए जब सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था. अनुमान लगाया गया कि माहिका के पीछे हर्दिक पांड्या थे और उन्हें एक साथ एयरपोर्ट पर देखा गया. हालांकि हार्दिक पांड्या और माहिका शर्मा ने अपने रिश्ते को लेकर कोई ऑफिशियल स्टेटमेंट नहीं दिया है.

आखिर गोवर्धन पूजा के दिन भगवान गिरिराज के परिक्रमा कितनी बार करनी चाहिए?

दिवाली पांच दिवसीय त्योहार है। धनतेरस से लेकर भाई दूज तक यह त्योहार चलता है। गोवर्धन का त्योहार भी हिंदू धर्म में काफी महत्वपूर्ण होता है। इस दिन गोबर से गिरिराज जी बनाकर उनकी पूजा की जाती है। गोबर से गिरिराज जी बनाकर उनकी पूजा की जाती है। अब ऐसे में उनकी परिक्रमा कितनी बार लगानी चाहिए। आइए जानते हैं। गोवर्धन पूजा दिवाली के अगले दिन मनाई जाती है। इसे अन्नकूट के नाम से भी जाना जाता है। हिंदू धर्म में गोवर्धन त्योहार का बेहद महत्व होता है। इस दिन भगवान श्रीकृष्ण से इंद्रदेव का घमंड भी तोड़ा था और पूरे ब्रजमंडल को गोवर्धन पर्वत की आड़ से सभी की रक्षा की थी। गोवर्धन के दिन भगवान कृष्ण को 56 प्रकार के व्यंजन चढ़ाए जाते हैं। इस दिन को प्रकृति की उदारता और कृषि की समृद्धि का प्रतीक है। गोवर्धन के दिन किसान भी अपने फसलें भगवान श्रीकृष्ण को अर्पित करें। अब ऐसे में गोवर्धन पूजा के दिन गिरिराज जी की परिक्रमा कितनी बार लगानी चाहिए।

गोवर्धन पूजा के दिन गिरिराज जी की परिक्रमा कितनी बार लगाएं?

गोवर्धन पूजा के दिन आप गोबर से बने गिरिराज जी की 7 या 11 बार परिक्रमा लगाएं। इसके साथ ही पूरा परिवार परिक्रमा लगाएं। ऐसा कहा जाता है कि परिक्रमा परिवार सहित लगाने से घर में सुख–शांति और समृद्धि की प्राप्ति होती है और घर से कलह–क्लेश भी दूर होते हैं।

गोवर्धन पूजा के दिन परिक्रमा कब लगानी चाहिए?

गोवर्धन पूजा के दिन अन्नकूट के बाद गोबर से गिरिराज जी बनाएं और इसके बाद विधिवत रुप पूजा करना है। उन्हें दूध चढ़ाएं और फिर परिक्रमा लगाएं। गिरिराज पर्वत को भगवान कृष्ण का स्वरुप माना जाता है। इसके पीछे एक पौराणिक कहानी है कि जब भगवान कृष्ण ने गोवर्धन पर्वत को उठाकर ब्रजवासियों को इंद्र देव के प्रकोप से बचाया था, तब से यह पर्वत भगवान कृष्ण के साथ अटूट रुप ले जुड़ गया है। माना जाता है कि गिरिराज की पूजा करने से रोगों से मुक्ति मिलती है और स्वास्थ्य लाभ मिलता है। गिरिराज की पूजा करने से मनोकामनाएं पूर्ण होती है।

सांस्कृतिक एकता का पर्व है दीपावली

भारत के त्यौहारों की विशेषता यह है कि यह सामाजिक एकता के अनुपम आदर्श हैं। इसी भाव के साथ प्राचीन काल से यह पर्व हम सभी मनाते चले आ रहे हैं। वर्तमान में पर्वों का यह शाश्वत भाव आज भी प्रचलन मे है। दीपावली के त्यौहार पर भी ऐसा ही स्वरुप दिखाई देता है। भारतीय आवागमन के साधनों में त्यौहारों पर बढ़ती भीड़ इसका साक्षात्कार भी करा रही है। वास्तव में भारतीय त्यौहार आज भी परिवार और समाज के एकत्रीकरण का ही त्यौहार है। दूर रहने वाले लोग भी त्यौहार के अवसर पर अपने घर जाकर ही त्यौहार मनाते हैं। इसलिए यह कहा जा सकता है कि आधुनिक वातावरण में भी दीपावली पर्व अपनी परंपराओं को जीवंत बनाए हुए है। देश की कई संस्थाओं द्वारा किए जाने वाले मिलन कार्यक्रम भी दीपावली को सार्थकता प्रदान कर रहे हैं। दीपावली का पावन पर्व पूरे देश में एक ही दिन मनाया जाता है, जो देश की सांस्कृतिक का दर्शन कराता है। यही विविधता में एकता का आदर्श है। भारत में दिवाली का अलग ही महत्व है। वैसे तो भारत का प्रत्येक पर्व प्रकृति और संस्कृति से गहरा सामंजस्य रखते हैं, लेकिन वर्तमान में इन त्यौहारों पर हम अपनी शाश्वत परंपराओं को लगभग भुलाने की मुद्रा की ओर कदम बढ़ा रहे हैं। वास्तव में प्राकृतिक वातावरण से तालमेल स्थापित करने के लिए ही भारतीय त्यौहार मनाए जाते हैं। इन त्यौहारों में संस्कृति को संरक्षित और संवर्धित करने का संदेश समाहित है। हम कहते हैं कि संस्कृति और प्रकृति के विरुद्ध किया जाने वाला प्रत्येक कदम अपने स्वयं के लिए विनाशकारी होता है। इसलिए सांस्कृतिक पक्ष को मजबूत करने वाले इन त्यौहारों की मानवीय जीवन में भी खास अहमियत है। सबसे बड़ी बात तो यह है कि हमारे पूर्वजों ने भी यह माना है कि प्रकृति पूज्य है, जीवन दायिनी है। हमारी प्रकृति ही हमारी संस्कृति है। इसलिए हमारे सांस्कृतिक त्यौहार भी प्रकृति प्रदत्त हैं। जो प्रकृति प्रदत्त है उसकी सुरक्षा करना हमारा नैतिक दायित्व है, क्योंकि प्रकृति हमारे संपूर्ण जीवन को हमेशा ही देती है। इसलिए हमारा दायित्व भी बढ़ जाता है। वर्तमान में हमारा प्राकृतिक स्वभाव समाप्त होता जा रहा है यानी हम लेने की प्रवृत्ति की ओर अग्रसर होते जा रहे हैं। वर्तमान में प्रायरू एक बात सबके मुख से सुनी जाती है कि हमारे त्यौहार पहले जैसे नहीं रहे। क्या हमने कभी इस बात पर चिंतन किया है कि ऐसी अवस्था क्यों आई। इसका मूल कारण क्या है। इसके लिए हम ही दोषी हैं। सामाजिक एकत्रीकरण के लिए मनाए जाने वाले त्यौहारों को हमने ही दीवालों में कैद कर लिया है। हम क्यों नहीं त्यौहारों को समाज का हिस्सा बनाते हैं? वास्तविकता यह है कि आज हम अकेले में ही त्यौहारों का आनंद लेने का निरर्थक प्रयास करते दिखाई देते हैं। लेकिन अकेले में त्यौहार का आनंद वैसा कभी नहीं मिल सकता, जो पहले था। इसलिए हमें अपने त्यौहारों को सामाजिकता की ओर ले जाने की ओर अग्रसर होना पड़ेगा, तभी त्यौहारों की सार्थता है और तभी दीवाली की सार्थकता है। भारतीय संस्कृति में त्यौहारों का अलग ही महत्व है। वर्ष भर होने वाले छोटे बड़े त्यौहार हमारे समाज को धर्म और संस्कृति से जोड़े रखते हैं। इन्हीं त्यौहारों में से ही एक त्यौहार है दीपावली। दीपावली का त्यौहार जिसे हम प्रकाश का त्यौहार कहते हैं। आज क्या यह प्रकाश का त्यौहार रह गया है। हम सभी बाहर तो प्रकाया की व्यवस्था कर देते हैं, लेकिन हमने अपने हृदय में कितना प्रकाश किया है। हम आंतरिक रुप से आज भी अंधेरे का हिस्सा हैं। आज के दौर में जिस प्रकार से सामाजिक विषताएं पनप रही हैं, वह इसी अंधकार रुपी जीवन का हिस्सा हैं। दीवाली पर्व बाह्य जगत को प्रकाशित करने के साथ आंतरिक रुप से प्रकाशित होने की भी प्रेरणा भी देता है। यह प्रेरणा ही हमारे जीवन का पथ आलोकित करती है। हम केवल शब्दों के द्वारा शुभकामनाएं देकर एक दूसरे का पथ आलोकित करने की बात तक ही सीमित होते जा रहे हैं। जिनके मन में ज्ञान का दीपक नहीं जला, उसे शुभकामनाएं देने का कोई अधिकार नहीं है।

वास्तव में दीपावली का त्यौहार प्रकाश का त्यौहार होने के साथ साथ हमें हमारे अपनों को हमारे करीब आने का त्यौहार भी है। क्योंकि हमारे अपने दूर होने के बाद भी इस त्यौहार पर अपने घर आते हैं, जिससे कहा जाता है कि यह ऐसा त्यौहार है, जो अपनों की दूरी को समाप्त करता है। दीपावली के त्यौहार से जुड़ी एक किदवंती है कि अयोध्या के राजा भगवान श्रीराम जब लंका पर विजय करके लौटे थे, तब अयोध्या में उनके स्वागत में चारों ओर दीप प्रज्वलित कर आनंद का उत्सव मनाया गया था, उसी आनंद और उत्साह का प्रदर्शन करते हुए हमारे देश में दीपावली का त्यौहार मनाया जाता है, लेकिन वर्तमान में आधुनिकता के दौर में कार्यों के चलते लोग एक दूसरे से दूर रहने या दूसरे शहरों में रहने के लिए मजबूर होते हैं, लेकिन जब दीवाली का त्यौहार आता है तो वह व्यक्ति चाहे कितनी भी दूर क्यों न हो अपनों के निकट आने का हर संभव प्रयास करता है। तो यहां हम कह सकते हैं कि दीवाली एक ऐसी डोर है जो हमें हमारे अपनों से जोडे? का काम करती है। दिवाली जहां अपनों को समीप लाती है, वहीं जो लोग समयाभाव के कारण नहीं मिल पाते हैं, उनको भी मिला देती है। हम जानते हैं कि दिवाली पर कहीं कहीं दिवाली मिलन के कार्यक्रम होते हैं, जो सामाजिक एकता को बढ़ावा देने का ही काम करते हैं। इसके अलावा दिवाली के पर्व पर एक दूसरे के घर जाकर शुभकामनाएं प्रदान कर दिवाली मिलन जैसा ही कार्यक्रम बन जाता है। इसलिए कहा जा सकता है कि दिवाली मात्र पटाखे छोडे? का त्यौहार नहीं है, सभी को करीब लाने का भी त्यौहार है। अब बात की जाए स्वास्थ्य की तो वर्षभर या किसी अन्य त्यौहार पर लोग अपने घरों की सफाई करें या न करें, लेकिन दीवाली के आने से पहले अपने घरों की साफ सफाई जरूर करते हैं। लिपाई–पुताई करते हैं और अपने घर को सजाने के लिए विभिन्न उपकरणों का उपयोग भी करते हैं। इसके कारण घरों पर नई आभा बिखर जाती है, पूरा घर नया सा दिखने लगता है। दीपाली के दौरान होने वाली साफ–सफाई घर में एक सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। यही सकारात्मकता व्यक्ति के जीवन में तमाम खुशियों का संचार करती है। यह सच है कि पूरे घर की सफाई कभी नहीं होती, लेकिन दिवाली एक ऐसा त्यौहार है, जब पूरे घर के कौने कौने की सफाई हो जाती है। कुल मिलाकर दीवाली स्वास्थ्य की दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

पटाखों का धुआं आंखों के लिए खतरनाक, काम आएंगी ये 5 टिप्स

दिवाली रोशनी और मिठाईयों का त्योहार, जो उत्सव के रंगों के साथ पटाखों की आवाज से भी भरपूर होता है। हर कोई इस दिन पटाखे जलाकर खुशियां मनाता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि इन पटाखों का धुआं आपकी आंखों के लिए कितना हानिकारक हो सकता है? दिवाली 2024 में आंखों की सुरक्षा के लिए अपनाएं ये 5 महत्वपूर्ण टिप्स।

पटाखों के धुएं से आंखों की सुरक्षा

दिवाली पर पटाखों के जलने से उत्पन्न प्रदूषण आंखों के लिए बेहद नुकसानदायक होता है। पटाखों में मौजूद बारूद और अन्य हानिकारक पदार्थों से आंखों में जलन, संक्रमण और अन्य गंभीर समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। धुएं में मौजूद छोटे कण आपकी आंखों को प्रभावित कर सकते हैं, जिससे दृष्टि में समस्या भी हो सकती है। इसलिए आंखों की सुरक्षा बेहद जरूरी है।

सेफ्टी के लिए चश्मा पहनें

पटाखे जलाते समय हमेशा सुरक्षात्मक चश्मा पहनें। यह आपकी आंखों को धुएं, रसायनों और पटाखों से निकलने वाले छोटे टुकड़ों से बचाएगा। चश्मा पहनने से न केवल धुएं से सुरक्षा मिलेगी, बल्कि इससे आंखों में आने वाली चिंगारी या अन्य वस्तुओं का खतरा भी कम होगा।

धुएं से दूर रहें

जहां अधिक पटाखे जलाए जा रहे हैं, वहां जाने से बचें। यदि आपकी आंखें सेंसिटिव हैं, तो घर के अंदर रहकर त्योहार मनाएं। धुएं में रहने से आंखों में जलन और लालिमा पैदा हो सकती है, जो लंबे समय तक रह सकती है। यदि संभव हो, तो घर के किसी सुरक्षित स्थान पर रहें, जहां धुएं की मात्रा कम हो।

आंखों को धोएं

जब भी आप बाहर से घर आएं, अपनी आंखों को पानी से धोना न भूलें। यदि दिवाली के दिन आप पटाखों के आसपास अधिक समय बिताते हैं, तो घर लौटने पर अपनी आंखों को ठंडे पानी से धोएं। इससे आंखों पर जमा धूल और धुएं को साफ किया जा सकेगा, और आपको राहत मिलेगी। नियमित रूप से आंखों को धोने से उनकी ताजगी बनी रहेगी।

आई ड्रॉप का उपयोग करें

दिवाली से पहले कई इलाकों में प्रदूषण बढ़ने लगता है, जिससे आंखें सूख सकती हैं। आप डॉक्टर से लिखवाकर आई ड्रॉप का उपयोग कर सकते हैं, जो आपकी आंखों को हाइड्रेट रखेगा और जलन को कम करेगा। आई ड्रॉप का नियमित उपयोग करने से आंखों को आराम मिलेगा और सूखापन भी दूर होगा, जिससे आप बेहतर महसूस करेंगे।

पटाखे जलाते समय दूरी बनाएं

पटाखे जलाते समय उचित दूरी बनाए रखना जरूरी है। अगर आप पास से पटाखा फोड़ते हैं, तो इससे आंखों में चिंगारी या धुआं पहुंच सकता है। नजदीक से पटाखे जलाने से आंखों में चोट लगने का खतरा भी होता है। हमेशा सुरक्षित दूरी बनाए रखें, ताकि आप और आपके आसपास के लोग सुरक्षित रह सकें। इन सभी उपायों का पालन करके आप अपनी आंखों की सुरक्षा कर सकते हैं और दिवाली के इस उत्सव को खुशी और उल्लास के साथ मनाने का आनंद ले सकते हैं। दिवाली का त्योहार खुशी और उल्लास का प्रतीक है, लेकिन सुरक्षा भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। इन 5 टिप्स का पालन करके आप अपनी आंखों की सुरक्षा कर सकते हैं और इस दिवाली को सुरक्षित और सुखद बना सकते हैं। पटाखों का आनंद लें, लेकिन अपनी आंखों का ख्याल रखना न भूलें!

दिवाली पर मिठाई और जंक फूड से खराब नहीं होगी तबीयत! डाइट में करें ये बदलाव

दिवाली का त्योहार हर साल खुशियों और उत्सव का प्रतीक होता है, लेकिन इस समय खान–पान में बदलाव और बढ़ते प्रदूषण के कारण इम्यूनिटी कमजोर हो सकती है। इसके चलते बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। इस लेख में हम आपको कुछ सरल उपाय बताएंगे, जिनसे आप त्योहारों के मौसम में भी अपनी इम्यूनिटी को मजबूत रख सकते हैं।

इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए अपनाएं ये उपाय

विटामिन–सी

विटामिन–सी इम्यूनिटी के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। यह न केवल संक्रमण से लड़ने में मदद करता है, बल्कि कोरोना जैसी बीमारियों से भी सुरक्षा प्रदान करता है। इसके अलावा, यह शरीर में आयरन के अवशोषण को बढ़ाता है, जिससे रक्त की गुणवत्ता में सुधार होता है। अपनी डाइट में संतरा, नींबू और आंवला शामिल करें, जो विटामिन–सी के समृद्ध स्रोत हैं।

विटामिन–ए

यह विटामिन पाचन क्रिया को मजबूत बनाता है और श्वसन संबंधी संक्रमण को कम करता है। विटामिन–ए, दृष्टि के लिए भी आवश्यक है और यह त्वचा की स्वास्थ्य को बनाए रखने में मदद करता है। गाजर, पालक और सीताफल जैसी सब्जियाँ विटामिन–ए का अच्छा स्रोत हैं, जो प्रतिदिन की डाइट में शामिल की जा सकती हैं।

विटामिन–ई

विटामिन–ई शरीर में एंटीऑक्सीडेंट्स की कमी को दूर करता है, जिससे मांसपेशियों में दर्द और तनाव कम होता है। यह हृदय स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाने में सहायक है। त्यौहारों के दौरान थकान से बचने के लिए नट्स और सीड्स का सेवन करें, जो विटामिन–ई के अच्छे स्रोत होते हैं और ऊर्जा को बनाए रखने में मदद करते हैं।

प्रोबायोटिक्स

ये गुड बैक्टीरिया आपकी गट हेल्थ के लिए आवश्यक होते हैं। ये आपके पाचन तंत्र को संतुलित रखते हैं और शरीर की इम्यूनिटी को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। दही, अचार और फर्मेंटेड फूड्स का सेवन करें, जो आपकी इम्यूनिटी को मजबूत बनाए रखने में मदद करेंगे और पेट की समस्याओं को दूर रखते हैं।

विटामिन–डी

धूप विटामिन–डी का सबसे अच्छा स्रोत है। यह शरीर के कैल्शियम अवशोषण को बढ़ाता है, जो हड्डियों की मजबूती के लिए आवश्यक है। इसके अलावा, अपनी डाइट में ऐसे खाद्य पदार्थ शामिल करें जो विटामिन–डी से भरपूर हों, जैसे कि मछली और अंडे। धूप में समय बिताना न भूलें, खासकर सुबह की धूप, जो आपके मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद है।

जिंक

जिंक की कमी से इम्यून सिस्टम प्रभावित होता है और यह कई शारीरिक क्रियाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह त्वचा और बालों के स्वास्थ्य के लिए भी महत्वपूर्ण है, और इसके पर्याप्त सेवन से संक्रमण से बचने में मदद मिलती है। मांसाहारी लोग मछली और चिकन का सेवन कर सकते हैं, जबकि शाकाहारी लोग दालों

को अपनी डाइट में शामिल करें, जो जिंक का अच्छा स्रोत हैं।

हाइड्रेशन

शरीर में हाइड्रेशन बनाए रखना बेहद जरूरी है, खासकर त्योहारों के दौरान जब खाने–पीने का अधिक सेवन होता है। इसके लिए पानी का सेवन बढ़ाएं और फलों का सेवन करके एक्स्ट्रा हाइड्रेशन प्राप्त करें। ताजे फलों के जूस भी हाइड्रेशन में मदद करते हैं और ऊर्जा प्रदान करते हैं। दिवाली के त्योहार पर मिठाइयां और नमकीन का सेवन सामान्य है, लेकिन इनसे स्वास्थ्य पर प्रभाव न पड़े, इसके लिए ऊपर बताए गए उपायों को अपनाना आवश्यक है। सही आहार और हाइड्रेशन से आप त्योहारों का मजा लेते हुए अपनी इम्यूनिटी को भी मजबूत बना सकते हैं। इस तरह, आप बिना किसी चिंता के दिवाली का आनंद ले सकते हैं और बीमारियों से भी बच सकते हैं।

नोटः ऊपर दी गई जानकारी पर अमल करने से पहले विशेषज्ञों से राय अवश्य लें।

संक्षिप्त

इस दिवाली अपनों को उपहार में दीजिए फास्टैग वार्षिक पास : एनएचएआई

वार्षिक पास एक साल के लिए वैध है और इस दौरान 200 टोल प्लाजा पार किया जा सकता है। इसके लिए 3,000 रुपये का एकमुश्त शुल्क भुगतान करना होगा और फास्टैग को बार–बार रिचार्ज करने की जरूरत नहीं होगी। सरकारी स्वामित्व वाली एनएचएआई ने शनिवार को कहा कि फास्टैग वार्षिक पास अब राजमार्गयात्रा ऐप के जरिए किसी को भी उपहार में दिया जा सकता है। इसके लिए ऐप पर पास जोड़ें विकल्प पर क्लिक करते उस व्यक्ति का वाहन नंबर और संपर्क विवरण जोड़ना होगा, जिसे वे फास्टैग वार्षिक पास उपहार में देना चाहते हैं। एनएचएआई ने एक बयान में कहा कि ओटीपी सत्यापन के बाद उस वाहन से जुड़े फास्टैग पर वार्षिक पास सक्रिय हो जाएगा। फास्टैग वार्षिक पास राष्ट्रीय राजमार्ग उपयोगकर्ताओं को एक सुविधाजनक और किफायती यात्रा विकल्प देता है और यह भारत में लगभग 1,150 टोल प्लाजा पर लागू है। वार्षिक पास एक साल के लिए वैध है और इस दौरान 200 टोल प्लाजा पार किया जा सकता है। इसके लिए 3,000 रुपये का एकमुश्त शुल्क भुगतान करना होगा और फास्टैग को बार–बार रिचार्ज करने की जरूरत नहीं होगी। यह पास वैध फास्टैग वाले सभी गैर–वाणिज्यिक वाहनों के लिए लागू है। राजमार्गयात्रा ऐप के माध्यम से एकमुश्त शुल्क का भुगतान करने के बाद, वाहन से जुड़े मौजूदा फास्टैग पर वार्षिक पास दो घंटे के भीतर सक्रिय हो जाता है।

वित्त वर्ष 2026 में चालू खाता घाटा नियंत्रण में रहने की उम्मीद, अमेरिका संग व्यापार वार्ता पर टिकी नजर

नई दिल्ली। देश का चालू खाता घाटा वित्त वर्ष 2025–26 में जीडीपी के लगभग 1.2 से 1.5 प्रतिशत के बीच रहने की उम्मीद है। बैंक ऑफ बड़ौदा की रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि अमेरिका–भारत व्यापार वार्ता में प्रगति आने वाले महीनों में एक अहम कारक साबित होगी। बैंक ने कहा कि अमेरिका भारत के इलेक्ट्रॉनिक निर्यातों का एक बड़ा गंतव्य है, और यह क्षेत्र फिलहाल उच्च अमेरिकी टैरिफ से मुक्त है। ऐसे में व्यापार वार्ता की दिशा पर विशेष नजर रखनी होगी। इसमें कहा गया है कि वित्त वर्ष 2026 में भारत का व्यापार घाटा पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में अब तक अधिक रहा है। हालांकि निर्यात में पिछले वर्ष की तुलना में वृद्धि हुई है, फिर भी आयात वृद्धि निर्यात वृद्धि से अधिक बनी हुई है, जिसके कारण व्यापार घाटा बढ़ रहा है।आयात के अंतर्गत, गैर–तेल–गैर–स्वर्ण खंड में वृद्धि देखी गई है, जो घरेलू मांग की स्थिति में सुधार को दर्शाता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि आने वाले महीनों में त्योहारी सीजन की मांग के चलते यह रुझान जारी रहने की संभावना है। मौसमी मांग के चलते साल की दूसरी छमाही में सोने का आयात भी बढ़ने की उम्मीद है। हालांकि, तेल की कम कीमतों से कुछ राहत मिल सकती है। यह वैश्विक बाजार में अधिक आपूर्ति की आशंका के बीच मौजूदा स्तर पर बने रहने की उम्मीद है। निर्यात के मोर्चे पर, वृद्धि स्थिर रही है और नए बाजारों में विविधीकरण के उत्साहजनक संकेत मिले हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन, हांगकांग और दक्षिण कोरिया जैसे अन्य एशियाई साझेदारों को भारत का निर्यात वृद्धि और कुल निर्यात में उनकी हिस्सेदारी, दोनों ही दृष्टि से पिछले वर्ष की तुलना में अधिक रहा है। इसी प्रकार, स्पेन और जर्मनी जैसे प्रमुख यूरोपीय देशों को निर्यात में भी इस वर्ष उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह रुझान एक सकारात्मक विकास है और इससे वित्त वर्ष 26 के शेष महीनों में निर्यात वृद्धि को समर्थन मिलने की उम्मीद है।

RBI नीति समिति सदस्य बोले– महंगाई का बहुत कम स्तर ठीक नहीं, ब्याज दर में और कटौती जोखिम भरी

भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के बाहरी सदस्य राम सिंह का मानना है कि इस मोड़ पर ब्याज दरों में एक बार और कटौती से खतरा बढ़ सकता है। फिलहाल इसकी जरूरत नहीं है। एक साक्षात्कार में राम सिंह ने कहा, मौद्रिक और राजकोषीय उपायों का असर अब भी जारी है। यानी बैंक और वित्तीय संस्थान रेपो दर में कटौती का फायदा अब भी चरणबद्ध तरीके से दे रहे हैं। सिंह ने एक अक्तूबर को नीतिगत दरों में यथास्थिति बनाए रखने के पक्ष में मतदान किया था। लेकिन, रुख को उदार से तटस्थ करने का समर्थन किया था। उन्होंने कहा, नॉमिनल और वास्तविक जीडीपी वृद्धि दोनों पर नजर रखना जरूरी है, क्योंकि दोनों के विश्लेषणात्मक उद्देश्य अलग–अलग हैं। उन्होंने कहा, महंगाई का निचला स्तर व्यवसायों के लिए अच्छा नहीं है, क्योंकि यह निवेश और रोजगार दोनों के फैसलों को प्रभावित करता है। आरबीआई ने अगस्त से लगातार दूसरी बार रेपो दर में कोई कटौती नहीं की है।घ्अक्तूबर की एमपीसी बैठक में भी नीतिगत दर को 5.50 फीसदी पर यथावत रखा गया था। राम सिंह ने कहा, इस साल रेपो दरों में एक फीसदी की कटौती से मांग में आई तेजी का असर अभी पूरी तरह से सामने नहीं आया है। ऐसे में मौजूदा स्थिति में ब्याज दरों में एक और कटौती जरूरत से ज्यादा हो जाएगी।घ्साथघ्ही, इससे अर्थव्यवस्था के लिए खतरा पैदा हो सकता है। इस वित्त वर्ष की पहली दो तिमाहियों में मांग और ऋण वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए कई मौद्रिक हस्तक्षेपों से अर्थव्यवस्था को गति मिली है। एमपीसी के बाहरी सदस्य ने कहा, कई संकेतक बताते हैं कि बजट में आयकर के मोर्चे पर रियायत के बाद अब जीएसटी दरों में राहत जैसे उपायों का मांग और निजी निवेश पर अपेक्षित प्रभाव पड़ रहा है। पहले से लागू नीतिगत उपाय जब कारगर साबित हो रहे हैं, तो नीतिगत दरों में और कटौती की तत्काल जरूरत नहीं है। हमें मौजूदा उपायों को व्यवस्था में काम करने देना चाहिए। इस बीच, उम्मीद है कि उच्च अमेरिकी टैरिफ के मोर्चे पर भी बेहतर स्पष्टता आएगी।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रोहित-कोहली पर होंगी नजरें, नीतीश रेड्डी को मिलेगा डेब्यू का मौका ?

पर्थ। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच रविवार से तीन मैचों की वनडे सीरीज की शुरुआत होगी। इस दौरान सभी की नजरें रोहित शर्मा और विराट कोहली पर टिकी होंगी जो लंबे समय बाद भारतीय जर्सी में वापसी करेंगे। यह पहली बार होगा जब ये दोनों दिग्गज खिलाड़ी शुभमन गिल की कप्तानी में खेलने उतरेंगे। रोहित और कोहली ने इस साल चौंपियंस ट्रॉफी में भारत के लिए मैच खेला था और इसके बाद अब वे सीधे रविवार को मैदान पर उतरेंगे। रोहित और कोहली के लिए पिछले सात महीनों में काफी कुछ बदल चुका है। इन दोनों को लक्ष्य 2027 वनडे विश्व कप में खेलना है, लेकिन इस सीरीज से यह तय हो जाएगा कि रोहित और कोहली वैश्विक टूर्नामेंट के लिए कितने फिट हैं। इन दोनों ने ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए काफी ट्रेनिंग की है। रोहित ने तो कुछ किलो वजन भी घटाया है, लेकिन इन दोनों के लिए लय में आना चुनौती होगी क्योंकि आईपीएल के बाद से रोहित–कोहली ने कोई मैच नहीं खेला है। दोनों के लिए अच्छी बात यह है कि उनकी वापसी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हो रही है जिसके सामने उनका रिकॉर्ड अच्छा रहा है। इस सीरीज के जरिये दोनों के करियर की भविष्य को लेकर दिशा तय हो सकती है। रोहित और कोहली अब सिर्फ वनडे में ही भारत के लिए खेलते हैं। दोनों के सामने एक बार फिर मिचेल स्टार्क और जोश हेजलवुड होंगे। रोहित के सिर पर कप्तानी का बोझ नहीं होगा ऐसे में वह खुलकर खेल सकेंगे। इसमें कोई दो राय नहीं है कि रोहित और कोहली के दिमाग में 2027 वनडे विश्व कप की भागीदारी होगी। कोहली अगर चिर परिचित अंदाज में लंबी पारियां खेलते हैं और रोहित अच्छी शुरुआत देते हैं जो दोनों धुरंधरों का करियर कुछ साल और खिंच सकता है। गिल ने टेस्ट प्रारूप में भारतीय कप्तान के तौर पर अपना दम दिखाया है और अब उनके सामने वनडे में भी इस लय को बरकरार रखने की चुनौती होगी। गिल के लिए अच्छी बात यह है कि उन्हें ऐसे समय कप्तानी मिली है जब रोहित और कोहली भी टीम का हिस्सा हैं। गिल को इन दोनों दिग्गजों से सलाह लेने का मौका मिलेगा। टीम संयोजन की बात करें तो इस बात की संभावना ना के बराबर है कि टीम प्रबंधन रोहित और गिल की सलामी जोड़ी से छेड़छाड़ करेगा। ऐसे में यशस्वी जायसवाल को अपने मौके के लिए इंतजार करना पड़ सकता है। रोहित और गिल ओपनिंग में आएंगे तो तीसरे स्थान पर कोहली उतरेंगे और इसके बाद श्रेयस अय्यर तथा केएल राहुल का नंबर होगा। राहुल के पास विकेटकीपिंग की भी जिम्मेदारी रहेगी। ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या चोट के कारण इस सीरीज का हिस्सा नहीं है, ऐसे में नीतीश कुमार रेड्डी को वनडे में डेब्यू का मौका मिल सकता है। स्पिन विभाग में अक्षर पटेल और कुलदीप यादव होंगे, जबकि मोहम्मद सिराज और अर्शदीप सिंह तेज गेंदबाजी का जिम्मा संभालेंगे।

पहले वनडे मैच के लिए भारत और ऑस्ट्रेलिया की संभावित प्लेइंग–11 इस प्रकार है...

भारतः शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), अक्षर पटेल, केएल राहुल (विकेटकीपर), नीतीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज।

ऑस्ट्रेलियाः मिचेल मार्श (कप्तान), ट्रेविस हेड, जोश फिलिप (विकेटकीपर), टिम डेविड, मैथ्यू शॉर्ट, कैमरन ग्रीन, मिचेल ओवेन, मिचेल स्टार्क, जैवियर बार्टलेट, मैथ्यू कुहनेमैन, जोश हेजलवुड।

रिंकू के शतक से उत्तर प्रदेश ने आंध्र के खिलाफ खेला ड्रॉ, बंगाल की जीत में चमके शमी

कोलकाता। भारतीय टीम के विस्फोटक बल्लेबाज रिंकू सिंह ने उत्तर प्रदेश के लिए खेलते हुए आंध्र के खिलाफ शतक लगाया। रिंकू की नाबाद शतकीय पारी की मदद से दोनों टीमों के बीच रणजी ट्रॉफी के एलीट ग्रुप ए का मुकाबला ड्रॉ पर समाप्त हुआ। आंध्र ने पहली पारी में 470 रन बनाए थे, जवाब में उत्तर प्रदेश ने पहली पारी में आठ विकेट पर 471 रन बनाए तभी अंतिम दिन का खेल समाप्त हो गया जिससे मैच ड्रॉ रहा।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारतीय टी20 टीम का हिस्सा हैं रिंकू

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय टी20 टीम का हिस्सा रिंकू ने इस मैच में अपना दम दिखाया और शतक लगाने में सफल रहे। रिंकू ने 273 गेंदों पर 13 चौकों और दो छक्कों की मदद से नाबाद 165 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले रिंकू का घरेलू क्रिकेट में दमदार प्रदर्शन उनका मनोबल बढ़ाएगा। रिंकू 29 अक्तूबर से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम का हिस्सा हैं। भारतीय टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की शानदार गेंदबाजी के दम पर बंगाल ने रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप सी मुकाबले में उत्तराखंड को आठ विकेट से हराया। उत्तराखंड ने पहली पारी में 213 रन बनाए, जबकि बंगाल ने पहली पारी में 323 रन बनाकर 110 रनों की बढ़त हासिल की। उत्तराखंड ने फिर दूसरी पारी में 265 रन बनाकर बंगाल के सामने 156 रनों का लक्ष्य रखा। बंगाल ने दो विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। बंगाल के लिए इस मैच में शमी ने कुल सात विकेट झटके।

शमी ने चयनकर्ताओं को दिया संदेश

शमी ने पहली पारी में तीन विकेट लिए, जबकि दूसरी पारी में चार विकेट झटकने में सफल रहे। शमी को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीमित ओवरों की टीम में नहीं चुना गया है, लेकिन उन्होंने अपने दमदार प्रदर्शन से चयनकर्ताओं को संदेश दिया है। शमी ने इस मैच में दोनों पारी मिलाकर 38 ओवर से अधिक गेंदबाजी की। दरअसल, ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए टीम की घोषणा के बाद मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने कहा था कि शमी को इसलिए नहीं चुना गया क्योंकि वह पूरी तरह फिट नहीं हैं, लेकिन शमी का कहना था कि अगर वह रणजी ट्रॉफी में खेल सकते हैं तो वनडे में भी शामिल हो सकते हैं। अब शमी ने दिखाया है कि वह कितने फिट हैं।

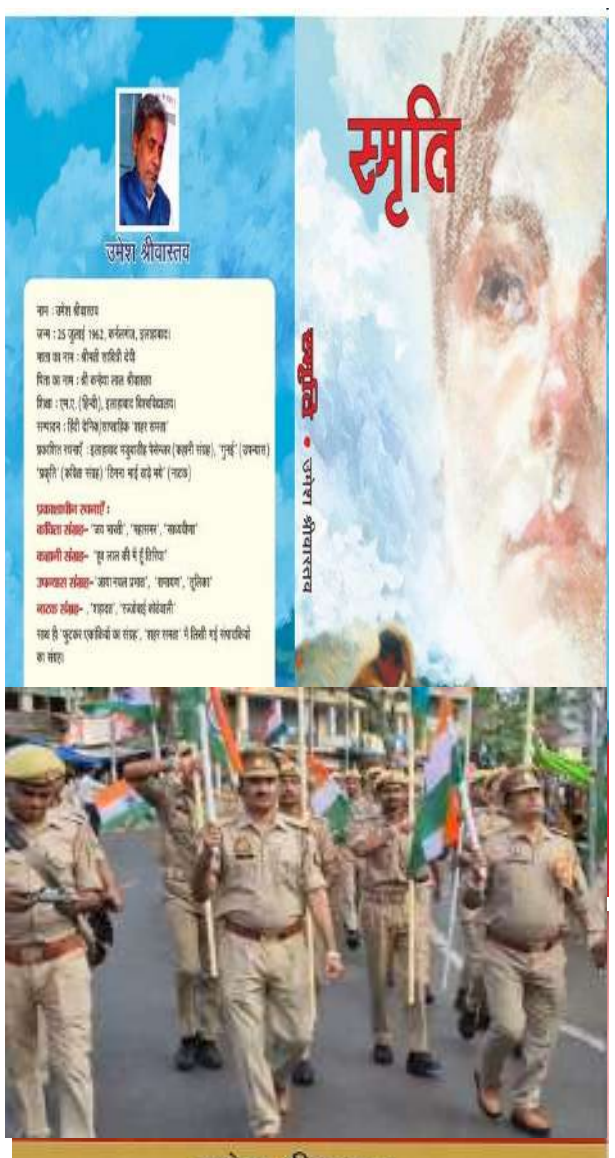

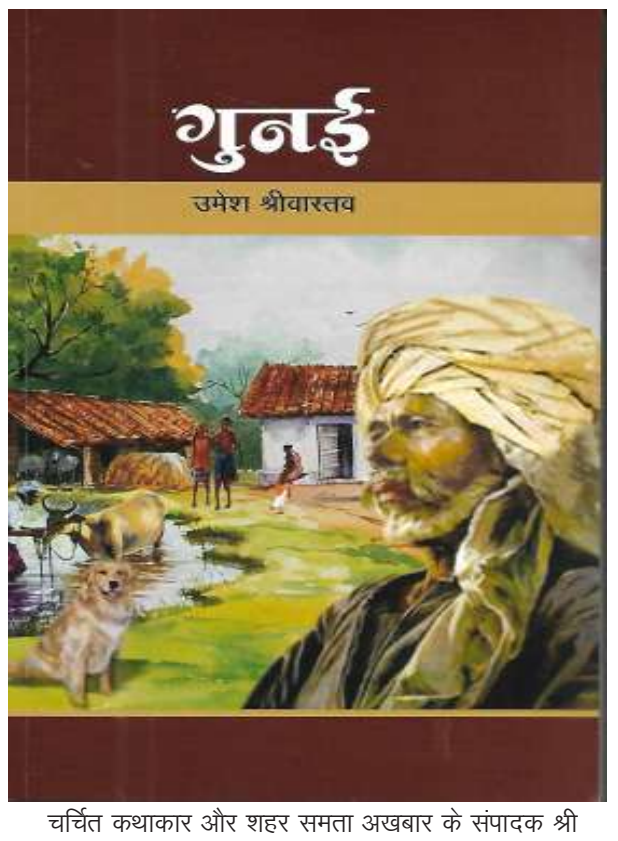

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

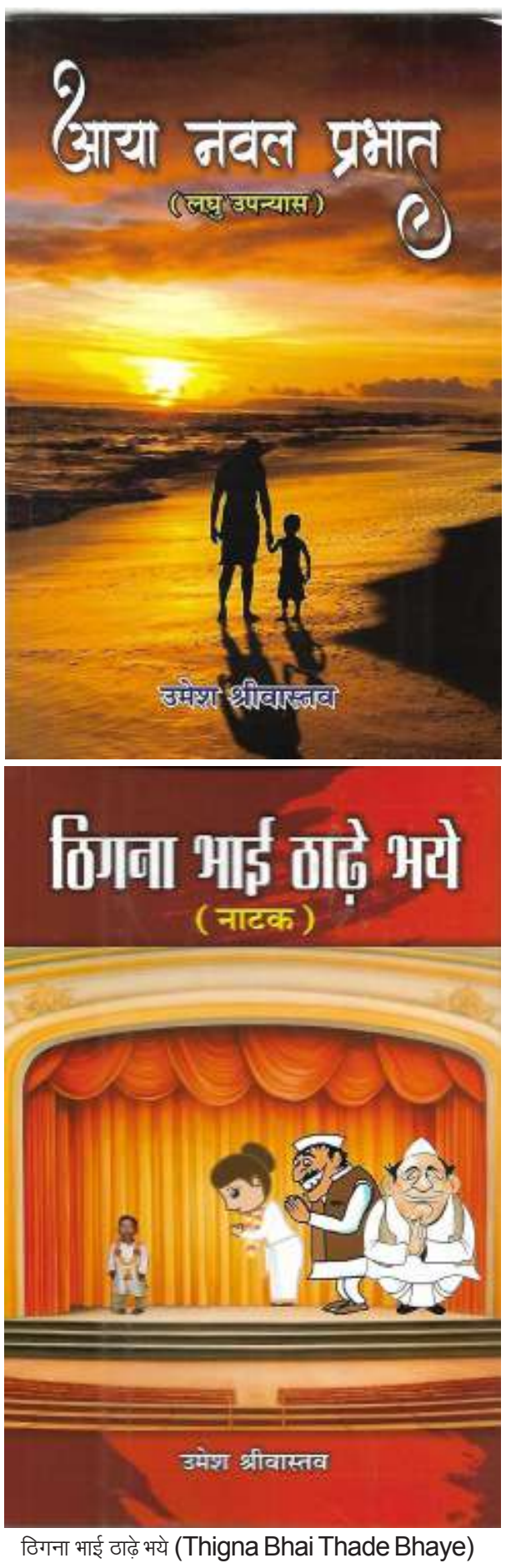

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

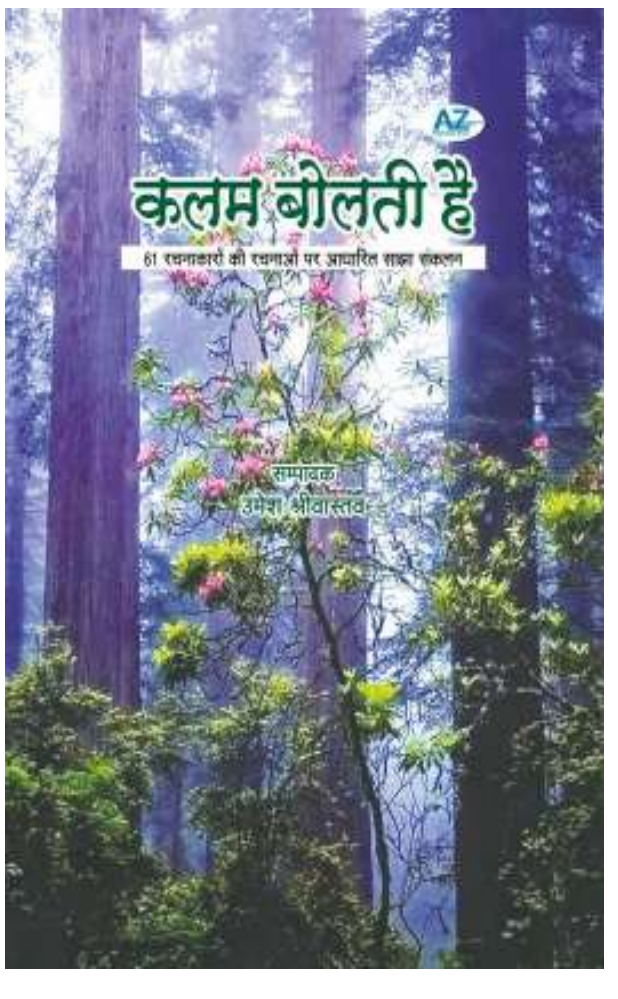

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त समाचार

ट्रंप और जेलेंस्की के बीच हुई बातचीत, कीव को मिसाइलें भेजने के लिए तैयार नहीं अमेरिकी नेता

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने गाजा में पिछले सप्ताह हुए युद्धविराम और बंधक समझौते को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को शुक्रवार को बधाई दी और कहा कि अब ट्रंप के पास रूस–यूक्रेन युद्ध रोकने का बड़ा मौका है। ट्रंप ने 'व्हाइट हाउस' में यहां जेलेंस्की की मेजबानी की। अमेरिकी नेता ने संकेत दिया है कि वह कीव को लंबी दूरी की मिसाइल प्रणाली बेचने की सहमति देने को तैयार नहीं हैं। हालांकि यूक्रेन को इसकी सख्त जरूरत है। जेलेंस्की अपने शीर्ष सहयोगियों के साथ दोपहर के भोजन पर ट्रंप के साथ नवीनतम घटनाक्रम पर चर्चा

करने के लिए यहां पहुंचे। इससे एक दिन पहले अमेरिकी राष्ट्रपति और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच फोन पर लंबी बातचीत हुई थी, जिसमें युद्ध का मुद्दा छाया रहा था। जेलेंस्की ने अमेरिकी राष्ट्रपति से बातचीत की शुरुआत में गाजा में पिछले सप्ताह हुए युद्धविराम और बंधक समझौते पर उन्हें (ट्रंप को) बधाई दी। उन्होंने कहा कि अब ट्रंप के पास रूस–यूक्रेन युद्ध रोकने का बड़ा मौका है। ज़ेलेंस्की ने कहा, ''राष्ट्रपति ट्रंप के पास अब इस युद्ध को समाप्त करने का एक बड़ा मौका है।'' हाल ही में ट्रंप ने यूक्रेन को लंबी दूरी की 'टॉमहॉक क्रूज' मिसाइलें बेचने की मंशा दिखाई थी, जबकि पुतिन ने चेतावनी दी थी कि इस तरह के कदम से अमेरिका–रूस संबंधों में और तनाव पैदा होगा।

काठमांडू के संवेदनशील पांच इलाकों में विरोध प्रदर्शनों पर प्रतिबंध लगाया गया

नेपाली प्राधिकारियों ने राजधानी काठमांडू के पांच संवेदनशील क्षेत्रों में दो महीने की अवधि के लिए विरोध प्रदर्शनों पर शुक्रवार को प्रतिबंध लगा दिया। यह प्रतिबंध शनिवार से प्रभावी होगा। काठमांडू जिला प्रशासन कार्यालय द्वारा जारी नोटिस के अनुसार, राष्ट्रपति कार्यालय शीतल निवास, सिंहदरबार सचिवालय, प्रधानमंत्री आवास, लैंचौर स्थित उपराष्ट्रपति आवास और नारायणहिती संग्रहालय के आसपास के क्षेत्रों पर प्रतिबंध लगा दिए गए हैं। सभी पांच स्थानों पर विरोध कार्यक्रम, सभा, धरना, भूख हड़ताल और प्रदर्शन प्रतिबंधित कर दिए गए। नोटिस के अनुसार, ''इन

संवेदनशील क्षेत्रों में विरोध प्रदर्शन, सभाएं और मार्च आयोजित करने से कानून–व्यवस्था की स्थिति खतरे में पड़ सकती है और शांति भंग हो सकती है, साथ ही सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचने का खतरा भी हो सकता है, जिसे देखते हुए यह प्रतिबंध लगा दिया गया है।'' मुख्य जिला प्रशासन अधिकारी ईश्वर राज पौडेल द्वारा हस्ताक्षरित नोटिस में कहा गया है कि नेपाल के संविधान के तहत अन्य सभी स्थानों पर शांतिपूर्ण सभाओं एवं विरोध प्रदर्शनों की अनुमति है। ये प्रतिबंध पिछले महीने 'जेन–जेड' के विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा के बाद लगाए गए हैं। 'जेन जेड' उस पीढ़ी को कहा जाता है जो 1997 से 2012 के बीच पैदा हुई है।

पाकिस्तानी सैनिकों ने किया टीटीपी का आत्मघाती हमला नाकाम, खैबर पख्तूनख्वा में 4 आतंकी ढेर

अफ़ग़ान अधिकारियों ने एएफपी को बताया कि पाकिस्तान ने शुक्रवार देर रात अफ़ग़ानिस्तान में हवाई हमले किए, जिसमें कम से कम 10 लोग मारे गए और संघर्ष विराम का उल्लंघन हुआ, जिससे सीमा पर दो दिनों की शांति बनी रही। 48 घंटे के इस संघर्ष विराम ने लगभग एक हफ़्ते से चल रहे खूनी सीमा संघर्षों पर विराम लगा दिया, जिसमें दोनों पक्षों के दर्जनों सैनिक और नागरिक मारे गए थे। वहीं दूसरी तरफ पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने शुक्रवार को खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में अपने शिविर पर एक आत्मघाती हमले को नाकाम कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि इस दौरान आत्मघाती हमलावर सहित चार आतंकवादियों को मार गिराया गया। सुरक्षा अधिकारियों के अनुसार, आतंकवादियों ने उत्तरी वजीरिस्तान जिले के मीर अली इलाके में सुरक्षा बलों के शिविर को निशाना बनाने का प्रयास किया, जब एक आत्मघाती हमलावर ने विस्फोटकों से लदे वाहन को चारदीवारी से टकरा दिया, जिससे एक शक्तिशाली विस्फोट हुआ। उन्होंने बताया कि शिविर पर हमला करने की कोशिश कर रहे तीन अन्य आतंकवादियों को सुरक्षाकर्मियों ने घुसने से पहले ही मार गिराया। उन्होंने बताया कि इस घटना में कोई भी सैनिक हताहत नहीं हुआ।

अधिकारियों ने पुष्टि की कि इस अभियान में आत्मघाती हमलावर समेत सभी चार आतंकवादी मारे गए। उन्होंने बताया कि बाजौर जिले में इसी तरह की एक घटना में सुरक्षा बलों ने गोलीबारी के जरिए विस्फोटकों से लदे एक वाहन को नष्ट कर एक बड़े आतंकवादी प्रयास को नाकाम कर दिया। इस घटना में भी किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

पाकिस्तान के हवाई हमले में 3 अफगान क्रिकेटर शहीद, अफगानिस्तान ने त्रिकोणीय श्रृंखला से नाम वापस लिया

अफ़ग़ानिस्तान के क्रिकेट बोर्ड ने शुक्रवार को बताया कि पक्तिका प्रांत में पाकिस्तानी हवाई हमलों में तीन अफ़ग़ान क्रिकेटर मारे गए हैं। इसके बाद, बोर्ड ने अगले महीने पाकिस्तान और श्रीलंका के साथ होने वाली त्रिकोणीय श्रृंखला से भी अपना नाम वापस ले लिया है। अफ़ग़ानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने एक बयान में कहा कि खिलाड़ी एक दोस्ताना मैच में हिस्सा लेने के लिए उरगुन से पाकिस्तान सीमा पर पूर्वी पक्तिका प्रांत के शराना गए थे। गौरतलब है कि पाकिस्तान, श्रीलंका और अफ़ग़ानिस्तान एक त्रिकोणीय श्रृंखला में एक–दूसरे से भिड़ने वाले थे, जिसका आयोजन पीसीबी (पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड) द्वारा किया गया था और यह 17 से 29 नवंबर के बीच रावलपिंडी और लाहौर में खेली जानी थी। एक प्रमुख घटनाक्रम में, एसीबी (अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड) ने हाल ही में आगे आकर घोषणा की कि वे देश के उरगुन जिले में सीमा पार हमलों में तीन स्थानीय क्रिकेटरों की मौत के कारण पाकिस्तान के खिलाफ अपनी आगामी त्रिकोणीय श्रृंखला से हट जाएंगे। ट्वीट में आगे कहा गया ष्शोक संदेश। अफ़ग़ानिस्तान क्रिकेट बोर्ड, पक्तिका प्रांत के उरगुन ज़िले के बहादुर क्रिकेटरों की दुखद शहादत पर गहरा दुःख व्यक्त करता है, जिन्हें आज शाम पाकिस्तानी शासन द्वारा किए गए कायरतापूर्ण हमले में निशाना बनाया गया। ट्वीट में आगे कहा गया, इस दुखद घटना के प्रति सम्मान और पीड़ितों के प्रति सम्मान प्रकट करते हुए, अफ़ग़ानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने नवंबर के अंत में होने वाली पाकिस्तान की आगामी त्रिकोणीय टी20 सीरीज़ में भाग लेने से हटने का फैसला किया है।

पीसीबी ने अभी तक इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है

गौरतलब है कि पीसीबी ने अभी तक इस घटनाक्रम पर कोई टिप्पणी नहीं की है। अफ़ग़ानिस्तान और श्रीलंका के खिलाफ त्रिकोणीय सीरीज़ 2025 में पाकिस्तान और अफ़ग़ानिस्तान के बीच होने वाली दूसरी त्रिकोणीय सीरीज़ होती; हालाँकि, यह पाकिस्तानी धरती पर उनकी पहली सीरीज़ होती। त्रिकोणीय सीरीज़ में, पाकिस्तान और अफ़ग़ानिस्तान दो बार एक–दूसरे से भिड़ते। पहली बैठक 17 नवंबर और फिर 23 नवंबर को होनी थी। हालाँकि, इस हमले के कारण टीम श्रृंखला से हट गई है, जिससे टूर्नामेंट में अव्यवस्था फैल गई है।

काबुल ने पाकिस्तान पर युद्धविराम तोड़ने का आरोप लगाया

एएफपी ने अफगान अधिकारियों के हवाले से बताया कि पाकिस्तान ने शुक्रवार देर रात अफगानिस्तान में हवाई हमले किए, जिसमें कम से कम 10 लोग मारे गए और सीमा पर दो दिनों की शांति बनाए रखने वाले संघर्ष विराम को तोड़ दिया। 48 घंटे के इस युद्धविराम ने लगभग एक हफ्ते से चल रहे खूनी सीमा संघर्षों पर विराम लगा दिया, जिसमें दोनों पक्षों के दर्जनों सैनिक और नागरिक मारे गए थे। पाकिस्तान में, एक वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी ने एएफपी को बताया कि सुरक्षा बलों ने अफगान सीमावर्ती इलाकों में तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी), पाकिस्तानी तालिबान से जुड़े एक स्थानीय गुट, हाफिज गुल बहादुर समूह को निशाना बनाकर सटीक हवाई हमले किए थे। इस्लामाबाद ने कहा कि यही समूह अफगानिस्तान की सीमा से लगे उत्तरी वज़ीरिस्तान ज़िले में एक सैन्य शिविर पर आत्मघाती बम विस्फोट और बंदूक हमले में शामिल था, जिसमें सात पाकिस्तानी अर्धसैनिक बल मारे गए थे। दोनों देशों के बीच हालिया झड़पें 2021 के बाद से सबसे घातक थीं, जब 20 साल के युद्ध के बाद अमेरिका और नाटो सेनाओं की वापसी के बाद पश्चिमी समर्थित सरकार के पतन के बाद तालिबान ने अफ़ग़ानिस्तान में सत्ता हथिया ली थी। पिछले हफ़्ते से सीमा पर तनाव बना हुआ है जब काबुल ने इस्लामाबाद पर अफ़ग़ान राजधानी में हमला करने का आरोप लगाया था, एक ऐसा दावा जिसे पाकिस्तान सरकार और सेना ने स्वीकार नहीं किया है।

पीएम हक पर शरणार्थियों की उपेक्षा का आरोप लगाते हुए मंत्रियों ने दिया इस्तीफा

पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू कश्मीर (पीओजेके) के प्रधानमंत्री चौधरी अनवारुल हक के मंत्रिमंडल के तीन वरिष्ठ मंत्रियों ने इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने कहा है कि प्रधानमंत्री मौजूदा राजनीतिक उथल–पुथल और क्षेत्र के लोगों के अधिकारों की रक्षा करने में विफलता के लिए ज़िम्मेदार हैं। सूचना मंत्री पीर मज़हर सईद पहले ही इस्तीफा दे चुके हैं, जबकि वित्त मंत्री अब्दुल मजीद खान, खाद्य मंत्री चौधरी अकबर इब्राहिम और मंत्री असीम शरीफ भट ने भी अपने इस्तीफे की घोषणा की है, जैसा कि द एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने बताया है। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून के अनुसार, मंत्रियों ने हक पर पीओजेके के निवासियों के साथ–साथ पाकिस्तान में रह रहे 25 लाख कश्मीरी शरणार्थियों के संवैधानिक और राजनीतिक अधिकारों की उपेक्षा करने का आरोप लगाया। उन्होंने प्रधानमंत्री के इस्तीफे की भी मांग की और आरोप लगाया कि उन्होंने नैतिक और राजनीतिक वैधता खो दी है। असहमति जताने वाले मंत्रियों ने हालिया अशांति से निपटने के सरकार के तरीके और क्षेत्र के विधायी ढांचे में शरणार्थी आबादी के प्रतिनिधित्व के प्रति उसकी कथित उदासीनता पर गहरा असंतोष व्यक्त किया। अपने त्यागपत्र में, अब्दुल मजीद खान ने पाकिस्तान में विलय की विचारधारा के प्रति अपनी निष्ठा दोहराई और कहा कि उनका रुख कश्मीरी शरणार्थियों के राजनीतिक अधिकारों की रक्षा में निहित है। उन्होंने जम्मू–कश्मीर संयुक्त कार्रवाई समिति (श्र।।ब) की तीखी आलोचना की, जिसने पीओजेके विधानसभा में शरणार्थियों के लिए आरक्षित 12 सीटों को समाप्त करने की विभाजनकारी और अवसरवादी मांग को आगे बढ़ाया। खान ने तर्क दिया कि श्र।।ब और संघीय प्रतिनिधियों के बीच हुए समझौते में वैधता और आम सहमति का अभाव था, जिससे हजारों विस्थापित कश्मीरियों के अधिकारों पर प्रकाश डाला गया। इसी तरह की चिंताओं को दोहराते हुए, खाद्य मंत्री चौधरी अकबर इब्राहिम ने कहा कि शरणार्थी ष्मात्र राजनीतिक संख्याष नहीं हैं, बल्कि देशभक्त पाकिस्तानी हैं जिन्होंने दशकों तक अलगाव और कष्ट सहे हैं। उन्होंने हक सरकार पर उनकी संवैधानिक स्थिति की रक्षा करने में विफल रहने का आरोप लगाया और कहा कि ष्ऐसे नेतृत्व में सेवा जारी रखना असंभव हो गया है,ष जैसा कि द एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने उद्धृत किया है। खान और इब्राहिम दोनों ने राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर को पत्र लिखकर हस्तक्षेप करने का आग्रह किया है।

ऑपरेशन सिंदूर भूले पाकिस्तानी सेना प्रमुख असीम मुनीर, भारत को दी गीदड़भभकी, कहा– निर्णायक जवाब देंगे

पाकिस्तानी सेना प्रमुख असीम मुनीर ने एक बार फिर भारत विरोधी बयानबाजी की, जबकि उनके सैनिकों को तालिबान के साथ चल रहे संघर्ष में कई झटके लगे हैं। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, काकुल स्थित पाकिस्तान सैन्य अकादमी (पीएमए) में पासिंग आउट परेड को संबोधित करते हुए मुनीर ने कहा कि ष्परमाणु ऊर्जा से लैस माहौल में युद्ध की कोई गुंजाइश नहीं है।ष ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत के साथ हुए संक्षिप्त संघर्ष में मुनीर की सेना ने अपने कई प्रमुख हवाई अड्डे खो दिए थे। उन्होंने दावा किया कि पाकिस्तान डरेगा नहीं। भारतीय हमलों से तबाह होने के बाद उनके डीजीएमओ ने ही युद्धविराम की मांग की थी। हालांकि, मुनीर ने इस तथ्य को छिपाने की कोशिश करते हुए कहा कि हम आपकी बयानबाजी से न तो कभी डरेंगे और न ही दबाव में आएंगे और बिना किसी झिझक के, मामूली उकसावे का भी, पूरी तरह से, निर्णायक जवाब देंगे। आगे चलकर तनाव बढ़ने की ज़िम्मेदारी, जिसके अंततः पूरे क्षेत्र और उसके बाहर विनाशकारी परिणाम हो सकते हैं, पूरी तरह से भारत पर होगी। मुनीर ने कहा, अगर शत्रुता की एक नई लहर शुरू होती है, तो पाकिस्तान अपनी उम्मीदों से कहीं ज़्यादा जवाब देगा। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय वायु सेना ने पाकिस्तान के 12–13 लड़ाकू विमानों को नष्ट कर दिया, जिनमें ज़मीन पर चार से पाँच थ–16 और हवा में पाँच थ–16 और श्रथ–17 के साथ–साथ दो जासूसी विमान भी शामिल थे। भारतीय वायु सेना ने कई पाकिस्तानी हवाई अड्डों पर भी हमले किए, रडार, कमांड सेंटर, रनवे, हैंगर और एक सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल (ड) प्रणाली को नुकसान पहुँचाया। इस स्थिति का सामना करते हुए, मुनीर ने तथ्यों को छिपाने के लिए बयानबाजी का सहारा लिया। उन्होंने कहा कि संघर्ष और संचार क्षेत्रों के बीच कम होते अंतर के साथ, हमारी हथियार प्रणालियों की पहुँच और मारक क्षमता भारत के भौगोलिक युद्ध–क्षेत्र की गलत धारणा को चकनाचूर कर देगी। इससे होने वाला गहरा दर्दनाक प्रतिशोधात्मक सैन्य और आर्थिक नुकसान अराजकता और अस्थिरता फैलाने वालों की कल्पना और गणना से कहीं परे होगा।

अफगानिस्तान-पाकिस्तान संघर्ष पर ट्रंप का अहम बयान, कहा- मुझे युद्ध सुलझाना पसंद है

पाकिस्तान और अफ़ग़ानिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार (स्थानीय समयानुसार) कहा कि उन्हें युद्ध सुलझाना पसंद हैश, लेकिन उन्होंने यह भी बताया कि काबुल पर हमला इस्लामाबाद ने ही किया था। 79 वर्षीय ट्रंप ने व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बात करते हुए यह बात कही। ट्रंप ने कहा कि अगर वह पाकिस्तान और अफ़ग़ानिस्तान के बीच संघर्ष सुलझा लेते हैं, तो यह नौवाँ युद्ध होगा जिसे वह सुलझाएँगे। हालाँकि ट्रंप ने कहा कि उनके लिए इस संघर्ष को सुलझाना आसान होगा, उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि उन्हें पहले अमेरिका को चलाना होगा। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि मैंने आठ युद्ध सुलझाए। रवांडा और कांगो जाइए, भारत और पाकिस्तान के बारे में बात कीजिए। उन सभी युद्धों को देखिए जिन्हें हमने सुलझाया, और हर बार जब मैंने सुलझाया, तो वे कहते हैं कि अगर तुम अगला सुलझाओगे, तो तुम्हें नोबेल पुरस्कार मिलेगा। मुझे नोबेल पुरस्कार नहीं मिला। किसी और को मिला जो एक बहुत अच्छी महिला हैं। मुझे नहीं पता कि वह कौन हैं, लेकिन वह बहुत उदार थीं। मुझे इन सब बातों की परवाह नहीं है। मुझे बस जान बचाने की परवाह है। लेकिन यह नौवां होगा... तो, जहाँ तक मुझे पता है, हमारे पास ऐसा कोई राष्ट्रपति नहीं रहा जिसने एक भी युद्ध सुलझाया हो। एक भी युद्ध नहीं। बुश ने एक युद्ध शुरू किया था... लेकिन मैंने करोड़ों जानें बचाईं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने कहा, मैंने लाखों जानें बचाईं... उदाहरण के तौर पर पाकिस्तान और भारत को ही देख लीजिए। वह एक बुरा उदाहरण होता... हालाँकि मैं समझता हूँ कि पाकिस्तान ने हमला किया था, या अफ़ग़ानिस्तान पर हमला हो रहा है। अगर मुझे इसे सुलझाना है, तो मेरे लिए यह आसान है। इस बीच, मुझे अमेरिका चलाना है, लेकिन मुझे युद्ध सुलझाना पसंद है। जानते हो क्यों? मुझे लोगों को मरने से रोकना पसंद है, और मैंने लाखों–करोड़ों लोगों की जान बचाई है। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर है

क्योंकि पाकिस्तान ने काबुल में तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के ठिकानों पर हवाई हमला किया था। पाकिस्तान लगातार अफगानिस्तान पर टीटीपी आतंकवादियों को पनाह देने का आरोप लगाता रहा है, लेकिन पाकिस्तान ने इन आरोपों से इनकार किया है। पाकिस्तान के हवाई हमले के बाद, अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने भी जवाबी कार्रवाई की और डूरंड रेखा पर कई पाकिस्तानी सैन्य चौकियों पर कब्जा कर लिया, जिसमें उनके कई सैनिक मारे गए। इसके बाद पाकिस्तानी सरकार को 48 घंटे के युद्धविराम का आह्वान करना पड़ा। हालाँकि, शुक्रवार को युद्धविराम की अवधि समाप्त होने पर, पाकिस्तानी सेना ने एक बार फिर अफगानिस्तान पर हमला किया, जिसमें तीन अफगान क्रिकेटरों सहित आठ लोग मारे गए। इसके कारण अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड को पाकिस्तान के साथ त्रिकोणीय श्रृंखला रद्द करनी पड़ी, जिसमें श्रीलंका भी शामिल था।

सभी अफगानों को लौटना होगा! ख्वाजा आसिफ बोले – हमारी जमीन सिर्फ 25 करोड़ पाकिस्तानियों की है

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने शुक्रवार को काबुल पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि पाकिस्तान में रहने वाले सभी अफ़गानों को अपने वतन लौटना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि अफ़गानिस्तान के साथ पुराने रिश्तों का दौर अब खत्म हो गया है। आसिफ ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, ष्पाकिस्तानी धरती पर रहने वाले सभी अफ़गानों को अपने वतन लौटना होगा।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।